RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः64 , शुक्रवार, 17 अप्रैल 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

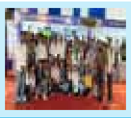

देश की रक्षा गतिविधियों से अवगत रहना हर भारतीय का है कर्त्तव्यः प्रो. मृगेंद्र 03

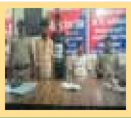

बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में जुटे दो बदमाश धराये, देसी कट्टा और बोलेरो बरामद... 04

तापसी पन्नू की 'अस्सी' अब ओटीटी पर होने जा रही रिलीज, 17 अप्रैल से... 07

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली ब्लास्ट की आतंकी शाहीन से टीसीएस की एचआर निदा खान का कनेक्शन

स्पेशल सेल करेगी पूछताछ

नई दिल्ली(एजेंसी)। नासिक स्थित टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की एचआर एग्जीक्यूटिव निदा खान के पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद की आतंकी डॉ. शाहीन शाहिद से जुड़ने के मामले की जांच करने दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल नासिक जा सकती है।

निदा खान पर उत्पीड़न और जबरन धर्मांतरण करने का आरोप- निदा खान पर टीसीएस की 12 महिला कर्मियों ने उत्पीड़न व जबरन धर्मांतरण करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। निदा खान, लाल किला बम धमाके की आरोपित डॉ. शाहीन शाहिद के साथ लंबे समय से जुड़ी रही है। मुकदमा दर्ज होने के बाद से निदा खान फरार है। इस संबंध में नासिक पुलिस ने स्पेशल सेल को भी सूचित कर दिया है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर अकासा एयर और स्पाइसजेट के विमान टकराए

पार्किंग एरिया में हुआ हादसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली एयरपोर्ट पर गुरुवार को स्पाइसजेट के एक बी 737-700 विमान के साथ ग्राउंड पर हादसा हुआ। टैक्सी करते समय यह अकास एयर की फ्लाइट से टकरा गया। स्पाइसजेट के प्रवक्ता के मुताबिक, इस घटना में स्पाइसजेट विमान का राइट विंग क्षतिग्रस्त हुआ है। वहीं, दूसरे विमान के लेफ्ट हैंड हॉरिजॉन्टल स्टेबलाइजर को भी नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद स्पाइसजेट का यह विमान दिल्ली में ही ग्राउंड कर दिया गया है। फिलहाल इसे उड़ान के लिए उपयोग में नहीं लिया जा रहा है।

अमेरिका ने ईरान से निकल रहे 10 जहाजों को लौटाया

- 3 दिन में एक ने भी होर्मुज क्रॉस नहीं किया

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी सेना ने कहा है कि उसने ईरान के बंदरगाहों से निकलने की कोशिश कर रहे 10 जहाजों को वापस लौटा दिया। अमेरिकी सेना ने ईरान के समुद्री इलाके में नाकाबंदी कर रखी है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, सोमवार से शुरू हुई इस नाकाबंदी के बाद अब तक कोई भी जहाज इसे पार नहीं कर पाया है। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने नाकाबंदी नहीं हटाई, तो वह खाड़ी इलाके में व्यापार को बाधित कर सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि आज इजराइल और लेबनान के नेता जंग खत्म करने पर सीधे बातचीत करेंगे।

कटे हुए हाथों से लड़ी थी 10 डकैतों से जंग

- अब 44 साल बाद राजस्थान पुलिस ने शहीद मानसिंह को दिया 'अमर' सम्मान

बांसवाड़ा (एजेंसी)। राजस्थान पुलिस के इतिहास में वीरता की कई कहानियां दर्ज हैं, लेकिन कुछ पन्ने समय की धूल में दब जाते हैं। 44 साल पहले बांसवाड़ा की धरती पर एक सिपाही ने बैंक बचाने के लिए अपने दोनों हाथ कटवा दिए थे, लेकिन फर्ज से पीछे नहीं हटा। गुरुवार को राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के मौके पर जब बांसवाड़ा पुलिस लाइन में शहीद कॉन्स्टेबल मानसिंह की बहादुरी का किस्सा फिर से गूंजा, तो वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं और सीना गर्व से चौड़ा हो गया।

वह खौफनाक रातः जब एक सिपाही 10 डकैतों पर भारी पड़ा- घटना 3 मार्च 1982 की है। सन्नाटे को चीरते हुए सूचना मिली कि घाटोल स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा में 8-10 हथियारबंद डकैत घुस आए हैं। ड्यूटी पर तैनात कॉन्स्टेबल मानसिंह के पास विकल्प था कि वे बैकअप का इंतजार करें, लेकिन उन्होंने 'फर्ज' को चुना। मानसिंह अकेले ही

डकैतों के सामने ढाल बनकर खड़े हो गए। उन्होंने एक लुटेरे को दबोच लिया, तो बाकी डकैतों ने उन पर तलवारों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

दोनों हाथ कटकर शरीर से अलग हुए- वार इतने घातक थे कि मानसिंह के दोनों हाथ कटकर शरीर से अलग हो गए। लहूलुहान और निहत्थे होने के बावजूद मानसिंह ने डकैतों को बैंक लूटने नहीं दिया।

शहादत के बाद उजड़ गया पूरा परिवार

शहीद मानसिंह के बेटे और वर्तमान में जगपुरा चौकी प्रभारी करण सिंह बताते हैं कि वह रात सिर्फ उनके पिता को नहीं ले गई, बल्कि पूरे परिवार को लील गई। मानसिंह की शहादत के गम में महज दो महीने बाद छोटी बहन की मौत हो गई। पिता के कटे हुए हाथ और वियोग का सदमा मां नारायण कुंवर बर्दाश्त नहीं कर पाईं और जून 1982 में उन्होंने भी दम तोड़ दिया। 5 और 7 साल के दो मासूम बच्चे (करण और दिगपाल) पूरी तरह अनाथ हो गए।

एसपी की एक पहल ने लौटाया 'शहीद' का सम्मान

दशकों तक यह फाइल रिकॉर्ड रूम में दबी रही। लेकिन बांसवाड़ा एसपी सुधीर जोशी ने जब पुराने रिकॉर्ड खंगाले, तो मानसिंह के इस सर्वोच्च बलिदान की कहानी उनके सामने आई। एसपी को लगा कि जिस जवान ने फर्ज के लिए अपने अंग कटवा दिए, उसे वह सम्मान अब तक नहीं मिला जिसका वह हकदार था। उनके सम्मान में पुलिस लाइन के चिल्ड्रेन्स पार्क का नाम अब 'शहीद मानसिंह बालोद्यान' रखा गया है। पुलिस लाइन में मानसिंह की तस्वीर लगाई गई है ताकि नए जवान उनके साहस से प्रेरणा ले सकें।

आज दोनों बेटे निभा रहे हैं 'खाकी' का फर्ज

अनाथ होने के बाद मामा के संरक्षण में पले मानसिंह के दोनों बेटे आज भी सिस्टम का हिस्सा हैं। छोटे बेटे करण सिंह पुलिस में चौकी प्रभारी हैं, वहीं बड़े भाई दिगपाल सिंह अभियोजन विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। करण सिंह कहते हैं, आज 44 साल बाद जब विभाग ने पिता को याद किया, तो लगा कि उनकी शहादत अमर हो गई। बांसवाड़ा पुलिस की यह पहल उन तमाम गुमनाम शहीदों के लिए एक उम्मीद है, जिन्होंने खाकी की आन-बान और शान के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

देश में वोटिंग अनिवार्य करने की मांग वाली याचिका खारिज

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा यह नीतिगत मामला है, न्यायपालिका हस्तक्षेप नहीं कर सकती

मतदान के लिए जागरूकता को महत्वपूर्ण बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को देश में वोटिंग अनिवार्य करने की मांग वाली एक पीआईएल पर सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि ऐसा आदेश नीतिगत दायरे में आता है और

न्यायपालिका इसमें कुछ नहीं कर सकती है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और विपुल एम.पंचोली की बेंच ने पीआईएल याचिकाकर्ता अजय गोयल से कहा कि वे अपनी शिकायतों को लेकर संबंधित पक्षों से संपर्क करें।

कोर्ट ने आगे कहा कि जानबूझकर वोट न डालने वालों के लिए दंडात्मक कार्रवाई की मांग करने वाली और वोटिंग को अनिवार्य बनाने वाली याचिकाओं पर कोर्ट सुनवाई नहीं कर सकता।

न्यायपालिका में महिला आरक्षण की मांग पर सुनवाई से किया इनकार - सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को न्यायपालिका और सरकारी वकीलों के पदों पर महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को संबंधित प्राधिकरण के पास जाने की सलाह दी।

अशोक चक्र के लिए गाइडलाइंस की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार - सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। इस याचिका में केंद्र और अन्य लोगों को राष्ट्रीय ध्वज पर अशोक चक्र के प्रदर्शन के लिए गाइडलाइंस बनाने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

महिला आरक्षण बिल पर बोले पीएम मोदी

'जो विरोध करेगा, लंबे वक्त तक कीमत चुकाएगा'

इस अवसर को जाने न दें, इस मंथन से अमृत निकलेगा, नीयत में खोट को नारी शक्ति माफ नहीं करेगी

- सरकार महिला आरक्षण रोकने के लिए परिसीमन बिल लाईः कांग्रेस
- बीजेपी नारी को नारा बनाने की कोशिश कर रही : अखिलेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने गुरुवार को महिला आरक्षण बिल से जुड़े संशोधनों पर कहा कि हमारे देश में जब जब चुनाव आया है उसमें महिलाओं को मिलने वाले इस अधिकार का जिस-जिसने विरोध किया है। उसका हाल बुरे से बुरा किया है। कभी माफी नहीं मिली। इस अवसर को जाने न दें, इस मंथन से अमृत निकलेगा।

उन्होंने कहा कि इसलिए जिनको भी इसमें राजनीति की बू आ रही है वो खुद के परिणामों को देख लें। इसी में फायदा है जो नुकसान हो रहा है उससे बच जाओगे। इसलिए इसे राजनीतिक रंग देने की जरूरत नहीं है। इसलिए हमारी नीयत की खोट को देश की नारी शक्ति कभी माफ नहीं करेगी। इससे पहले अखिलेश यादव ने कहा- अब भारतीय जनता पार्टी नारी को नारा बनाने की कोशिश कर रही है। जिन्होंने नारी को अपने संगठन में नहीं रखा वे उसके मान सम्मान को कैसे रखेंगे।

कांग्रेस ने सबसे पहले महिला आरक्षण की बात की

महिला आरक्षण बिल पर लोकसभा में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि इसमें ओबीसी का हक मिलना चाहिए। विधेयक पास हुआ तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। प्रियंका गांधी ने सवाल उठाया कि बिल में ओबीसी का जिक्र नहीं है।महिला आरक्षण पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि सबसे पहले कांग्रेस ने ही महिला आरक्षण बिल की बात की थी।

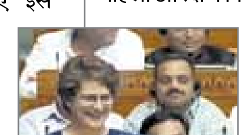

धर्मेंद्र जी आपका आभारी हूं... अखिलेश यादव मेरे दोस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के विशेष सत्र के दौरान केंद्र सरकार ने गुरुवार को लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पेश किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी स्पीच के दौरान अखिलेश यादव को अपना दोस्त कहा। वहीं राहुल गांधी ने केसी वेणुगोपाल से जब कहा कि आपका माइक बंद है, तो स्पीकर ने कहा- माइक सिर्फ आपका बंद होता है। उनका चालू है। इसके बाद राहुल और बिड़ला मुस्कुराने लगे। पीएम मोदी की स्पीच के दौरान सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने अपनी चेयर से खड़े होकर कहा- आप भी पिछड़ी जाती से हैं। पिछड़ों का ध्यान नहीं रखते। ये पूरा देश देख रहा है।इस पर मोदी ने कहा- धर्मेंद्र जी मैं आपका बहुत आभारी हूं कि आपने मेरी पहचान करा दी।

सीएम योगी बोले-

बंगाल में सरकार आई तो यह झाड़ू लगाएंगे : इनसे डरिए मत

कोलकाता(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को टीएमसी सरकार पर जोरदार प्रहार करते हुए कहा कि 15 वर्षों के शासन में उसने बंगाल को आतंक, माफिया राज, कटमनी, भ्रष्टाचार व अराजकता का अड्डा बनाकर रख दिया है। बंगाल के चुनावी रण में दूसरी बार उतरे योगी ने तीन चुनावी जनसभाओं को संबोधित करने के क्रम में मतदाताओं से बेखौफ होकर वोट देने की अपील करते हुए कहा कि टीएमसी के गुंडे, माफिया क्या कह रहे हैं या कोई मौलाना क्या बक रहा है, आप किसी से भयभीत न होइए। डबल इंजन की भाजपा सरकार आने दीजिए, गुंडे, माफिया व मौलाना आपकी चाटुकारिता करते और बंगाल की सड़कों पर झाड़ू लगाते दिखाई देंगे। अपराधियों व माफियाओं का इलाज केवल भाजपा की डबल इंजन की सरकार के पास है।

गाजियाबाद में 200 झोपड़ियों में भीषण आग, सिलेंडर फटे

10 किमी दूर से दिखा धुआं, 22 गाड़ियों ने बुझाई आग

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद में गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे 200 झुग्गी-झोपड़ियों में भीषण आग लग गई। सिलेंडरों में लगातार धमाके होते रहे। धुएं का गुबार करीब 10 किलोमीटर दूर तक दिखाई दिया। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लोग अपने घरों का सामान और गैस सिलेंडर लेकर भागते नजर आए। आसपास की इमारतों को एहतियातन खाली करा लिया गया।

फायर ब्रिगेड की 22 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। प्रशासन ने नोएडा से भी दमकल की गाड़ियां मंगाईं। आग इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के कनवानी गांव में लगी। घटना में फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

प्रत्यक्षदर्शी आशीष गुप्ता ने बताया-कुछ लोग झुग्गियों में खाना बना रहे थे, तभी तिरपाल में आग लग गई। देखते-देखते आग भड़क गई और पास में स्थित पन्नी का गोदाम जलकर राख हो गया।डीएम रविंद्र कुमार ने बताया कि इलाके में कबाड़ का काम होता था। यही काम करने वाले लोग झुग्गियां बनाकर रहते हैं। किसी भी तरह की अनहोनी से निपटने के लिए एंबुलेंस मौके पर मौजूद हैं। पास के अस्पतालों को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है।

इससे पहले, बुधवार को लखनऊ के विकासनगर में झुग्गी-झोपड़ियों में आग लगी थी। इसमें 250 झोपड़ियां जलकर राख हो गई थीं। 2 सगी बहनों की मौत भी हुई थी।

यूपी के संभल में ईदगाह-इमामबाड़े को बुलडोजर से ढहाया

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल में ईदगाह और इमामबाड़े पर गुरुवार सुबह 8 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक बुलडोजर की कार्रवाई चली। इसमें ईदगाह और इमामबाड़ा गिरा दिया गया। इमामबाड़े को तोड़ने के लिए चार बुलडोजर लगे। मौके पर 5 थानों की पुलिस फोर्स और एक कंपनी पीएसी तैनात रही।

भीड़ जुटी तो अफसरों ने खदेड़ा

इसी बीच, गांव के लोग मौके पर जुट गए। विरोध की आशंका को देखते हुए अफसरों ने उन्हें वहां से खदेड़ दिया। प्रशासन के मुताबिक, करीब 7 बीघा चारागाह की जमीन पर ईदगाह और खाद गड्ढे की भूमि पर इमामबाड़ा बनाया गया था।

गांव वालों की शिकायत के बाद लेखपाल स्पर्श गुप्ता ने 18 जनवरी को तहसीलदार कोर्ट में अपील दायर की थी। 31 जनवरी को कोर्ट के आदेश पर नोटिस अखबार में छपवाया गया था। इसमें कहा गया था कि जो भी कब्जेदार हैं, वे सामने आएं। हालांकि, कोई भी सामने नहीं आया।

वहीं, गुरुवार सुबह करीब 7.30 बजे एसडीएम निधि पटेल और नायब तहसीलदार दीपक कुमार जुरैल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वहां कुछ लोग छेनी-हथौड़ी से इमामबाड़ा तोड़ रहे थे। प्रशासन ने उन्हें हटा दिया। मामला कोतवाली संभल क्षेत्र के बिछोली गांव का है।

राजस्थान शिक्षा विभाग की चूक !

- बच्चों के नाम रखे जाएंगे 'भयंकर' और 'बेचारादास'

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान शिक्षा विभाग का 'सार्थक नाम अभियान', जिसका उद्देश्य स्कूली बच्चों को सम्मानजनक और अर्थपूर्ण नाम देना था, अपनी ही सुझाई गई लिस्ट के कारण विवादों के घेरे में आ गया है। विभाग की ओर से जारी 2,950 नामों की सूची में ऐसे शब्द शामिल किए गए हैं जिन्हें जानकर विशेषज्ञ और अभिभावक हैरान हैं।

कैसा 'सार्थक' नाम? लिस्ट में 'भयंकर' और 'कलयुगी'- शिक्षा विभाग की इस लिस्ट में लड़कियों के लिए भयंकर, भिक्षा, कलयुगी, लज्जा, परिस्थिति और बिजली जैसे अजीबोगरीब नाम सुझाए गए हैं। वहीं लड़कों की सूची में बेचारादास (असहाय), उग्र सिंह, थाना सिंह और सवाई जैसे नाम शामिल हैं। विवाद बढ़ता देख शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की टीम ने सफाई दी है। विभाग के सूत्रों का कहना है कि यह फाइनल लिस्ट नहीं, बल्कि सिर्फ एक 'ड्राफ्ट' था। विभाग ने माना है कि लिस्ट में कई गलतियां हैं।

पश्चिम बंगाल के लोग दिल्ली के जमींदारों को मुंहतोड़ जवाब दें: ममता

- प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के तबादले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

कोलकाता (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के तबादले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। यह तबादले भारतीय चुनाव आयोग द्वारा किए गए थे। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस मामले में उठाए गए कानूनी प्रश्न को फिलहाल खुला रखा जाएगा।

भाजपा नेता शुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में जानबूझकर 'अरबी संस्कृति' को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे सनातन विरासत कमजोर हो रही है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा बंगाल को 'बंगाली हिंदुओं की मातृभूमि' के रूप में सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मतदाताओं से कहा कि वे दिल्ली के जमींदारों द्वारा लोगों के मतदान के अधिकार छीनने के प्रयासों का मुंहतोड़ जवाब दें।

दिल्ली हाईकोर्ट में केजरीवाल का हलफनामा रिकॉर्ड पर लेने की अनुमति

सीबीआई की दलीलें भी दर्ज

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णा कांत शर्मा ने अरविंद केजरीवाल का अतिरिक्त हलफनामा रिकॉर्ड पर लेने की अनुमति दी। हलफनामे में जज पर हितों के टकराव के आरोप लगाए गए हैं। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल जस्टिस स्वर्णा कांत शर्मा की बेंच के सामने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेश हुए। सुनवाई में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता भी वर्चुअली शामिल हुए।

टीसीएस नासिक ने कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम दिया

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक में आईटी कंपनी टीसीएस ने अपने कर्मचारियों को वर्क फॉम होम करने को कहा है। कंपनी ने कहा कि यह फैसला कर्मचारियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। टीसीएस की नासिक यूनिट के 8 कर्मचारियों पर धर्मांतरण और यौन शोषण के आरोप लगे हैं।

संक्षिप्त समाचार

हेड मास्टर ने गांधी सेतु से लगाई छलांग

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर स्थित जनता उच्च विद्यालय धर्मपुर के प्रभारी प्रधानाध्यापक फजलुल बासित सिद्दीकी ने महात्मा गांधी सेतु से कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया। यह घटना सुबह स्कूल में उपस्थिति दर्ज कराने के बाद हुई। उन्हें SDRF की टीम ने बचा लिया। प्रधानाध्यापक सिद्दीकी स्कूल से सीधे जदुआ होते हुए गांधी सेतु पहुंचे। उन्होंने पुल के 42 नंबर पाया के पास से छलांग लगाई। बताया जा रहा है कि जिस जगह उन्होंने छलांग लगाई, वहां पानी कम था। गाय घाट किनारे तैनात एसडीआरएफ की टीम ने तुरंत रेस्क्यू कर उन्हें बाहर निकाला। स्कूल के कुछ शिक्षकों ने बताया कि फजलुल बासित सिद्दीकी एक अच्छे और सरल स्वभाव के व्यक्ति हैं। वे अपनी पारिवारिक बातें अन्य शिक्षकों के साथ साझा नहीं करते थे। शिक्षकों का अनुमान है कि पारिवारिक कलह के कारण उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया होगा। रेस्क्यू के बाद प्रभारी प्रधानाध्यापक को इलाज के लिए पटना के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों और पुलिस ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। गाय घाट के पास स्थित आलमगंज थाना में प्रधानाध्यापक से पूछताछ की जा रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद जनता उच्च विद्यालय के अन्य शिक्षकों में हड़कंप मच गया। हालांकि, इस संबंध में कोई भी शिक्षक स्पष्ट रूप से कुछ भी बताने से बच रहे थे।

लव मैरिज के बाद मारपीट, लड़की के पिता ने लड़के के पिता-भाई का सिर फोड़ा, बेटी बोली- पति के साथ ही रहूंगी

हाजीपुर। वैशाली जिले के महिसौर थाना क्षेत्र के सोहर्थी गांव में प्रेम प्रसंग में शादी के बाद लड़की पक्ष के लोगों ने लड़के के भाई और पिता पर हमला कर दिया। इस हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए जंदाहा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। घायल सोहर्थी गांव निवासी रामविलास शर्मा के पुत्र संदीप कुमार ने महिसौर थाना में इस संबंध में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। संदीप कुमार ने पुलिस को बताया कि जब वे अपनी दुकान बंद कर घर पहुंचे और दरवाजे पर गाड़ी खड़ी कर रुके, तभी पहले से घात लगाए बैठे 10 से 12 लोगों ने उन पर हमला कर दिया। जब परिवार के अन्य सदस्य बचाने आए, तो उनके साथ भी मारपीट की गई। यह घटना संदीप कुमार के छोटे भाई सरोज कुमार द्वारा पड़ोस की प्रीति कुमारी (राम नारायण शर्मा की पुत्री) से बीते सप्ताह प्रेम प्रसंग के चलते घर से भागकर 26 मार्च को कोर्ट मैरिज करने के बाद हुई है। लड़की के पिता ने पहले बेटी के अपहरण का मामला दर्ज कराया था। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, पुलिस ने 11 अप्रैल को लड़की को बरामद कर न्यायालय में प्रस्तुत किया था। प्रीति ने न्यायालय में अपने पति और सास-ससुर के साथ रहने की सहमति दी थी, जिसके बाद उसे लड़के वाले अपने घर ले आए थे। हालांकि, प्रीति के भाई और अन्य लोगों द्वारा लड़के की हत्या करने और परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट करने की धमकी दी गई थी। प्रीति कुमारी का कहना है कि वह अपनी स्वेच्छा से पति के साथ रहना चाहती है, लेकिन उसके परिवार वाले जानलेवा हमला करने की फिराक में हैं। उसने पुलिस अधिकारियों से मदद की गुहार लगाई है। पुलिस फिलहाल मामले की गहनता से जांच कर रही है। संदीप ने अपनी प्राथमिकी में गुड्डू शर्मा, राम नारायण शर्मा, राम सकल शर्मा, कांत लाल शर्मा, सुबोध शर्मा, विश्वनाथ शर्मा, बिट्टू शर्मा, रोहित शर्मा और पप्पू शर्मा सहित नौ लोगों को नामजद किया है।

वैशाली में गेहूं की क्रॉप कटिंग, प्रति हेक्टेयर 31.60 क्विंटल उपज दर्ज, सरकार ने आंका उत्पादन

हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सहदुलहपुर धोबौली पंचायत के हरिवंश नारायण सिंह के खेत पर गेहूं की क्रॉप कटिंग की गई। यह प्रक्रिया बिहार सरकार के अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय के अधिकारियों की देखरेख में संपन्न हुई। मौके पर संयुक्त निदेशक श्री शैलेंद्र कुमार पाण्डेय, जिला सांख्यिकी अधिकारी श्रवण रजक, सहायक जिला सांख्यिकी अधिकारी शिवानंद भारती, प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी सुजीत कुमार, कृषि समन्वयक सोनिया कुमारी, किसान सलाहकार प्रेम प्रकाश सिंह समेत सुनील कुमार, रवि रंजन कुमार, राजीव कुमार, चंद्रकांत ठाकुर, संजीव कुमार उपस्थित रहे। क्रॉप कटिंग 10×5 मीटर के निर्धारित प्लॉट में की गई। कटाई के बाद कुल 15.800 किलोग्राम गेहूं का उत्पादन हुआ। इसके आधार पर प्रति हेक्टेयर उपज 31.60 क्विंटल दर्ज की गई। यह आंकड़ा क्षेत्र में गेहूं उत्पादन क्षमता का स्पष्ट संकेत देता है। अधिकारियों ने बताया कि सरकार द्वारा फसल का वास्तविक उत्पादन आंकने के लिए यह प्रक्रिया आवश्यक है। इससे न केवल उपज की सटीक जानकारी मिलती है, बल्कि किसानों को उचित मूल्य एवं राहत योजनाओं का लाभ दिलाने में भी मदद मिलती है। मौजूद किसानों ने अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की। क्षेत्र में इस बार मौसम अनुकूल रहने से अच्छी पैदावार की उम्मीद जताई जा रही है।

वैशाली में पशु बांझपन निवारण कैंप, बिदुपुर में 191 पशुओं का मुफ्त इलाज, दवाएं बांटी गई

हाजीपुर। आत्मनिर्भर बिहार के सात निश्चय- 2 के तहत वैशाली जिले के बिदुपुर प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय मथुरा, पंचायत मथुरा सुल्तानपुर में एक दिवसीय पशु बांझपन निवारण शिविर एवं पशुपालन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस शिविर में कुल 57 पशुपालकों के 191 पशुओं का निःशुल्क इलाज किया गया और आवश्यक दवाएं वितरित की गईं। शिविर का उद्घाटन सरपंच शैलेन्द्र सिंह ने फीता काटकर किया। पशुओं के रख-रखाव, बांझपन के कारणों और उसके निवारण के बारे में डॉ. धर्मवीर सिंह, भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, गोकुला ने पशुपालकों को विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. धर्मवीर सिंह, डॉ. प्रमोद कुमार (भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, बिदुपुर), डॉ. रंजू कुमारी (MVU प्रभारी, बिदुपुर), पारा वेट अनोज कुमार, परिचारी निकेत कुमार (पशु चिकित्सालय गोकुला), नवनीष कुमार, मैत्री गोलू कुमार, अजीत कुमार, मंजीत कुमार, सुभाष चंद्र रॉय सहित कई पशु चिकित्सा कर्मी उपस्थित रहे। शिविर का सजीव निरीक्षण डॉ. प्रभावती कुमारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, वैशाली द्वारा किया गया। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों से पशुपालकों को काफी लाभ मिलता है और पशुओं में बांझपन की समस्या से निपटने में मदद मिलती है। पशुपालकों में सुमन सिंह, अमोद सिंह, मुकेश कुमार, मंजेश कुमार पासवान, हरेंद्र राय, लालदेव सिंह, संत किशोर सिंह, उत्तम चंद्र कुमार, ममता देवी, सुनीता देवी, उषा देवी आदि ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए ऐसे शिविरों को नियमित रूप से आयोजित करने की मांग की है। जिला प्रशासन एवं पशुपालन विभाग ने बताया कि आगे भी इस तरह के जागरूकता एवं उपचार शिविर जिले के अन्य गांवों में लगाए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक पशुपालक लाभान्वित हो सकें।

आम के बगीचे में हत्या की प्लानिंग करते 3 अरेस्ट

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में तीन बदमाशों को पुलिस ने अरेस्ट किया है। पूछताछ में पता चला कि वे सुपारी लेकर हत्या करते थे। बदमाशों के पास से एक चोरी की मोटरसाइकिल, कट्टा और गोली बरामद की गई है। मामला कुढ़नी थाना क्षेत्र का है। आरोपी आम के बगीचे में बैठकर किसी की हत्या की योजना बना रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने तीनों को अरेस्ट किया। मामले की जानकारी देते हुए ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि रेलवे गुमटी संख्या-17 के पास कुछ संदिग्ध युवक इकट्ठा होकर आपराधिक घटना की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर कुढ़नी थाना की टीम ने छापेमारी की और मौके से तीनों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान श्रीवन कुमार उर्फ गोलू कुमार (कुढ़नी), प्रीतम राज (सदर) और आयुष कुमार (गोरौल, वैशाली) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान इनके पास से एक देसी कट्टा, तीन कारतूस, तीन मोबाइल और दो चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने हत्या के लिए सुपारी लेने की बात स्वीकार की है। बरामद मोटरसाइकिल वैशाली के बेलसर थाना क्षेत्र से चोरी की बताई जा रही है। इस मामले में कुढ़नी थाना में कांड संख्या 59/26 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इनकी साजिश का टारगेट कौन था और गिरोह से जुड़े अन्य लोग कौन-कौन हैं। गिरफ्तार बदमाश आयुष कुमार का आपराधिक इतिहास रहा है। कुढनी थाना में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है।

नीट छात्रा रेप-मौत, हॉस्टल मालिक मनीष रंजन को जमानत

90 दिन बाद मिली डिफॉल्ट बेल, पीड़ित की मां की तबीयत बिगड़ी, पीएमसीएच में भर्ती

एजेंसी, पटना

NEET छात्रा रेप-मौत मामले में शंभू गर्ल्स हॉस्टल के मालिक मनीष रंजन को गुरुवार को पटना सिविल कोर्ट से जमानत मिल गई है। कोर्ट ने डिफॉल्ट बेल दी है। इसका मतलब ये है कि CBI ने समय पर चार्जशीट दाखिल नहीं की। इसी वजह से आज मनीष को बेल दी गई है। 90 दिन बाद मनीष को इस केस में जमानत मिली है। अदालत ने 10 अप्रैल 2026 को स्पष्ट आदेश दिया था कि मामले में 90 दिनों के अंदर चार्जशीट दाखिल की जाए। आपराधिक प्रक्रिया संहिता के तहत यह समय सीमा अनिवार्य होती है, जिसके तहत अगर निर्धारित अवधि में चार्जशीट दाखिल नहीं होती, तो आरोपी को डिफॉल्ट बेल का अधिकार मिल जाता है।

मनीष रंजन का बेल बॉन्ड आज अदालत में पेश नहीं हो सका। सूत्रों के अनुसार, यह प्रक्रिया संभवतः कल पूरी की जाएगी, जिसके बाद उसकी रिहाई का रास्ता साफ हो सकता है। अदालत ने इस लापरवाही को गंभीर मानते हुए न केवल आरोपी को डिफॉल्ट बेल दी। कोर्ट की अवहेलना पर जांच अधिकारी (IO) के खिलाफ विभागीय जांच की अनुशंसा की है।

मनीष रंजन की जमानत मिलने की खबर सुनने के बाद पीड़िता की मां की तबीयत बिगड़ गई है। वो PMCH के इमरजेंसी में भर्ती हैं।

दोषमुक्त नहीं माना गयाः मनीष की जमानत का आदेश सबूतों पर आधारित नहीं है। इसका अर्थ है कि आरोपी को मिली राहत तकनीकी आधार पर है, न कि उसे दोषमुक्त मानते हुए। ऐसे में मामले की कानूनी लड़ाई अभी समाप्त नहीं मानी जा रही है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच पीड़ित पक्ष और उससे जुड़े लोग अपने रुख पर कायम हैं। उनका कहना है कि वे इस फैसले से विचलित नहीं हैं और न्याय के लिए आखिरी दम तक संघर्ष जारी रखेंगे।

वकील बोले- मनीष की बेल से CBI ज्यादा खुश दिखीः पीड़ित पक्ष के वकील एसके पांडे ने बताया, कोर्ट ने CBI को निर्धारित समय में चार्जशीट दाखिल करने को कहा था। ये सीमा 90 दिनों की थी। 90 दिनों के अंदर चार्जशीट दाखिल नहीं की जाती तो कोर्ट अभियुक्त को ज्यादा दिन जेल में नहीं रख सकती है। CBI को चार्जशीट पेश करने में कोई परेशानी नहीं थी, लेकिन CBI को लेकर मैंने महसूस किया, जितनी खुशी मनीष रंजन को नहीं थी, उससे ज्यादा CBI को थी।

चूक से पूरा केस प्रभावित हो सकता हैः अदालत परिसर में CBI के अधिकारियों के चेहरे पर संतोष नजर आया। आमतौर पर ऐसे मामलों में एजेंसी पर दबाव होता है, लेकिन इस बार उनका रुख कुछ अलग दिखा, जिससे कई तरह की चर्चाएं भी शुरू हो गई हैं। कानूनी जानकारों का मानना है कि इस तरह के मामलों में जांच एजेंसियों को समय सीमा का विशेष ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि तकनीकी चूक से पूरा केस प्रभावित हो सकता है। अब सबकी नजर इस पर टिकी है कि आगे की सुनवाई में क्या नया मोड़ आता है और क्या CBI अपनी जांच को मजबूत तरीके से अदालत के सामने पेश कर पाती है या नहीं।

कुख्यात को सीबीआई ने सूरत में किया गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

कोलकाता के 2 लोगों के अपहरण का है केस, 3 लाख रुपए इनाम भी है घोषित

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने कुख्यात अपराधी भोला सिंह उर्फ गौतम कुमार उर्फ अमित शर्मा को गुजरात के सूरत से गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी कोलकाता के 2 निवासियों के अपहरण से संबंधित मामले में हुई है, जो 14 जुलाई 2014 से लापता हैं। भोला सिंह बाढ़ अनुमंडल के पंडारक का निवासी है। कोलकाता के गुमशुदा व्यक्तियों का मामला उच्च न्यायालय की ओर से सीबीआई को सौंपा गया था। आरोपी भोला सिंह 2015 में जांच शुरू होने के बाद से फरार था। वह अमित शर्मा के नाम से फर्जी पहचान पत्रों का इस्तेमाल कर सूरत में छिपा हुआ था। सीबीआई ने उसके छिपने के ठिकाने की पहचान की और गिरफ्तार किया।

बिहार पुलिस ने 12 मामले पहले से कर रखा है दर्जः इस मामले के अलावा, भोला सिंह बिहार पुलिस की ओर से दर्ज 11 अन्य मामलों में भी वांछित है। इन मामलों में अपहरण, हत्या का प्रयास, हत्या, अवैध हथियार और विस्फोटक रखने जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। भोला सिंह को कोलकाता लाने के लिए सूरत की स्थानीय अदालत में पेश किया जा रहा है, ताकि ट्रांजिट रिमांड मिल सके। इसके बाद, उसे हिरासत में पूछताछ के लिए कोलकाता की अदालत में पुलिस रिमांड के लिए पेश किया जाएगा।

अनंत सिंह के साथ एनटीपीसी में ठेकेदारी करता थाः भोला सिंह कभी मोकामा विधायक अनंत सिंह के साथ एनटीपीसी में ठेकेदारी करता था। इसके बाद लंबे समय तक दोनों के बीच अदावत रही थी। विधानसभा चुनाव के दौरान भोला सिंह के भाई मुकेश सिंह और अनंत सिंह में फिर सुलह हो गई थी।

दक्षिण-मध्य बिहार में पारा 40 पार जाएगा

एजेंसी, पटना

राज्य के अधिकांश हिस्सों में अगले तीन-चार दिनों तक मौसम शुष्क बने रहने की संभावना है। पूर्वानुमान के अनुसार दक्षिण और मध्य बिहार के जिलों में तापमान 40-42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हालांकि उत्तर-पूर्व बिहार के कुछ हिस्सों जैसे किशनगंज, अररिया, पूर्णिया और कटिहार में 17-18 अप्रैल के आसपास हल्की बारिश की संभावना जताई गई है, लेकिन इससे व्यापक राहत मिलने के आसार नहीं हैं।

पटना समेत अन्य जिलों में लू चलने लगी हैः पटना समेत राज्य के कई जिलों में लू चलने लगी है। कई जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंच गया है। मौसम विभाग के पटना केंद्र के मुताबिक, रोहतास के डेहरी में सबसे अधिक तापमान 41.8 डिग्री रहा। इसके अलावा औरंगाबाद, बक्सर, शेखपुरा और कैमूर में भी 41 डिग्री के आसपास रहा।

पटना में भी बुधवार को दिनभर लू जैसे हालात बने रहे। यहां का अधिकतम तापमान 38.9 डिग्री तक पहुंच गया, जो सामान्य से 1.5 डिग्री अधिक है। वहीं, आर्द्रता 31 प्रतिशत रही, जिससे तेज गर्म हवाओं का सामना करना पड़ा। दिन में बाहर निकलना मुश्किल हो गया।

पटना में इंजीनियरिंग छात्रा का गला दबाकर मर्डर

एजेंसी, पटना

पटना में 21 साल की इंजीनियरिंग छात्रा की उसके ही प्रेमी ने गला घोंटकर हत्या कर दी। बताया जा रहा कि दोनों कॉलेज में एकसाथ पढ़ते थे। दोनों का लास्ट ईयर था, इसलिए लड़की लड़के पर शादी का दबाव बना रही थी। दोनों के बीच दूसरी बातों को लेकर भी अक्सर झगड़ा होता था। इन्हीं सब चीजों से बॉयफ्रेंड नाराज था। वह लैपटॉप देने के बहाने लड़की के घर गया और गला दबाकर हत्या कर दी। फिर रूम बाहर से बंद करके निकल गया। पुलिस ने बुधवार को प्रेमी आर्थव श्रीवास्तव उर्फ राज को गिरफ्तार किया और पूरे मामले का खुलासा किया। घटना बिहटा थाना क्षेत्र के राघोपुर गांव की है। 13 अप्रैल की रात लड़की की उसके रेंटेड घर में बेड पर लाश मिली थी।

औरंगाबाद की रहने वाली थी लड़कीः दरअसल, औरंगाबाद की रहने वाली अनुपमा कुमारी पिछले कुछ साल से पटना के बिहटा में रेंट पर मकान लेकर रह रही थी। वो और उसका प्रेमी नेताजी सुभाष इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी बिहटा से डिप्लोमा कर रहा था। पटना पश्चिम सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया, अनुपमा और गिरफ्तार आरोपी बक्सर के आर्थव श्रीवास्तव के बीच पिछले कई महीनों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। मोबाइल फोन पर दोनों की बात होती थी। इधर, दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ और उसी विवाद के चलते आरोपी ने अनुपमा के साथ पहले मारपीट की। फिर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।

◆ बॉयफ्रेंड लैपटॉप देने के बहाने घर गया, मारपीट की फिर मार डाला, बोला-शादी का दबाव बना रही थी

शादी का भी बना रही थी दबावः पुलिस के मुताबिक, लड़की लगातार प्रेमी पर शादी का दबाव बना रही थी। इसके अलावा घटना से 2 दिन पहले कॉलेज में 2 दिवसीय फ्रस्ट इवेंट का आयोजन किया गया था। उसमें फोटो खींचने को लेकर भी विवाद दोनों के बीच हुआ था। आर्थव और अनुपमा के बीच कॉलेज से ही दोस्ती थी। घटना से एक दिन पहले दोपहर 12 बजे के आसपास आरोपी ने फोन पर बात की। लैपटॉप देने का बहाना किया। 12 अप्रैल को लड़की के रूम पहुंचा। वहां भी दोनों के बीच विवाद हुआ और मारपीट हुई। मारपीट में आरोपी ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और बाहर से ताला बंद कर फरार हो गया।

SIT का गठन किया गया थाः दानापुर DSP- 2, बिहटा थानाध्यक्ष और टेक्निकल टीम सहित एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया था। जांच के दौरान एफएसएल टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया और शव का पोस्टमार्टम कराया गया। प्रारंभिक जांच में छात्रा की मौत गला दबाने से होने की पुष्टि हुई है। हालांकि, दुष्कर्म जैसी घटना हुई है या नहीं, इसकी पुष्टि मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही होगी। पुलिस फिलहाल पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रॉपर्टी टैक्स में 2.74 लाख संपत्तियों का फ्लक्चुएशन एक ही घर में 3-4 मीटर, लेकिन प्रॉपर्टी टैक्स एक

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम की ओर से वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रॉपर्टी टैक्स के सेल्फ एसेसमेंट की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अब बिजली बिल के आधार पर संपत्तियों का सर्वे होगा। निगम क्षेत्र के अंतर्गत 3.06 लाख संपत्तियां रजिस्टर्ड है। मगर बिजली बिल के डाटा के अनुसार 5.80 लाख लोग का नाम रजिस्टर्ड है। ऐसे में 2.74 लाख का फ्लक्चुएशन आ रहा है। इसकी मुख्य वजह यह है कि एक ही घर में लोग तीन-चार मीटर लगाते हैं, लेकिन प्रॉपर्टी टैक्स सिर्फ एक के हिसाब से भरते हैं, जिसे निगम के नजर में अपराध माना गया है। ऐसी संपत्तिधारकों पर कार्रवाई की जाएगी, जिन्होंने असेसमेंट के समय गलत जानकारी भरी है। इसके लिए पटना नगर निगम जल्द ही सर्वे कराने जा रहा है। निगम क्षेत्र के हर सेक्टर में यह सर्वे किया जाएगा, जिसमें सैनेटरी इंस्पेक्टर तैनात होंगे। इस पूरी प्रक्रिया को रेवेन्यू टीम मॉनिटर करेगी। कल से जनगणना की प्रक्रिया शुरू होने वाली है, ऐसे में निगम के कई लोग उसमें व्यस्त रहेंगे। इन सभी कामों को निपटाने के बाद बिजली बिल वाला सर्वे शुरू किया जाएगा।

पकड़े जाने पर देना होगा जुर्माना

पटना मेयर ने कहा- लोग ईमानदारी से प्रॉपर्टी टैक्स जमा करें: पटना मेयर सीता साहू ने कहा कि कई घरों में एक से ज्यादा मीटर होते हैं, मगर लोग असेसमेंट के दौरान एक ही मीटर के हिसाब से अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा करते हैं, जो कि गलत है। अगर वे खुद ईमानदारी से सभी मीटर के हिसाब से प्रॉपर्टी टैक्स देंगे, तो पटना नगर निगम की आमदनी भी बढ़ेगी। पटना नगर निगम की ओर से इसके लिए सर्वे भी किया जाएगा और जांच में सब बात पता चल जाएगी। इससे अच्छा है कि लोग ईमानदारी दिखाते हुए अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा करें।

आवासीय संपत्ति में 2000, गैर आवासीय संपत्तियों के लिए 5000 का जुर्मानाः यदि किसी व्यक्ति ने पटना नगर निगम क्षेत्र में नई संपत्ति (जमीन, फ्लैट आदि) खरीदी है, तो संपत्ति अर्जन के 30 दिनों के भीतर उसका सेल्फ टैक्स असेसमेंट कराना अनिवार्य होगा। ऐसा नहीं करने पर आवासीय संपत्ति के मामले में 2,000 रुपए और गैर आवासीय संपत्तियों के लिए 5,000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही यानी कि 30 जून से पहले प्रॉपर्टी टैक्स का एकमुश्त भुगतान करने पर 5% की छूट का लाभ प्रॉपर्टी होल्डर को दिया जाएगा।

अम्बेडकर जयंती पर टीचर्स ऑफ बिहार का 'संविधान ज्ञान क्विज 2026', 5 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

पटना। डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा आयोजित "संविधान ज्ञान क्विज 2026" को राज्यभर में शानदार प्रतिसाद मिला। 14 अप्रैल को आयोजित इस ऑनलाइन क्विज में 5 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। आयोजन के बाद सभी सफल प्रतिभागियों को डिजिटल प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। क्विज के क्रिएटर सिकेन्द्र कुमार सुमन, जिन्हें राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया जा चुका है, ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थियों और युवाओं में संविधान के प्रति जागरूकता बढ़ती है। उन्होंने कहा कि इससे युवा अपने अधिकारों और कर्तव्यों को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं। साथ ही क्विज को सरल, रोचक और ज्ञानवर्धक बनाने का विशेष प्रयास किया गया। टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने बताया कि इस ऑनलाइन क्विज का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों तक संविधान की जानकारी पहुंचाना और डिजिटल माध्यम से सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों की उत्साहजनक भागीदारी इस पहल की सफलता को दर्शाती है। प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार, प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार और इवेंट लीडर केशव कुमार ने संयुक्त रूप से कहा कि "संविधान ज्ञान क्विज 2026" ने युवाओं को संविधान के मूल्यों से जोड़ने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने भविष्य में भी इस तरह के शैक्षणिक और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई।

नीतीश के 20 साल पर मूवी लॉन्च, रो पड़े अशोक चौधरी

एजेंसी, पटना

नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने गुरुवार को JDU दफ्तर में अपने पिता नीतीश कुमार पर बनी शॉर्ट फिल्म 'मेरा नेता मेरा अभिमान' की लॉन्चिंग की। फिल्म में नीतीश के 20 साल के काम को दिखाया गया है। उन्होंने नीतीश पर बने एक गाने को भी रिलीज किया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री अशोक चौधरी भी मौजूद थे। मूवी लॉन्च होने के बाद अशोक चौधरी रो पड़े। निशांत ने कंधे पर हाथ रखकर ढांढस बंधाया।

निशांत ने कहा कि उनकी प्राथमिकता पार्टी संगठन को मजबूत करना और जनता का आशीर्वाद लेना रहेगा। उन्होंने कहा कि उनके पिताजी नीतीश कुमार ने 20 सालों में बिहार के लिए बहुत काम किए हैं। कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री अशोक चौधरी नीतीश कुमार का जिक्र करते ही रो पड़े। उन्होंने कहा, 'नीतीश जी का फैसला था कि वो राज्यसभा जाएंगे। वो जा रहे हैं ठीक है, लेकिन उनके साथ काम करने का अलग ही मजा था। हर व्यक्ति की बॉडी लैंग्वेज और रिएक्ट करने का तरीका अलग होता है। हो सकता है वो भी इसे लेकर भावुक हों। हर तरह से उन्होंने काम किया था। हम चाहते थे कि वो 5 साल और काम करें। बिहार समृद्धशाली हो पाता। उन्होंने जो सपना देखा था वो पूरा हो पाता।

पीएमसीएच के नए भवन में रेडियोलॉजी विभाग अधूरा

एजेंसी, पटना

पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (पीएमसीएच) के नए भवन में रेडियोलॉजी विभाग अभी तक पूरी तरह से चालू नहीं हो पाया है। इसके कारण दूर-दराज से आने वाले मरीजों को एमआरआई और सीटी स्कैन जैसी आवश्यक जांचों के लिए 150 मीटर पुराने भवन या इमरजेंसी ब्लॉक तक जाना पड़ रहा है। पीएमसीएच के पुनर्निर्माण परियोजना के तहत कई विभाग नए भवन में स्थानांतरित हो चुके हैं। अस्पताल प्रशासन का दावा है कि यहां आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और बेहतर इलाज व्यवस्था है। हालांकि, अस्पताल की रीढ़ माने जाने वाले रेडियोलॉजी विभाग में 2 एमआरआई और 1 सीटी स्कैन मशीन स्थापित होने के बावजूद वे अभी तक उपयोग में नहीं लाई जा सकी हैं। इन मशीनों को चालू करने में सबसे बड़ी बाधा एटॉमिक एनर्जी रेगुलेटरी बोर्ड (AERB) की मंजूरी है। सीटी स्कैन और अन्य रेडिएशन-आधारित उपकरणों के संचालन के लिए AERB की अनुमति अनिवार्य होती है, जो अभी तक नहीं मिली है। विशेषज्ञों के अनुसार, सुरक्षा मानकों के कारण इस मंजूरी के बिना उपकरणों का संचालन संभव नहीं है। इसके अलावा, रेडियोलॉजी विभाग को पूरी क्षमता से चलाने के लिए 60 से अधिक प्रशिक्षित टेक्नीशियन की आवश्यकता है। इन पदों पर अभी तक बहाली नहीं हो पाई है, जिससे विभाग के पूर्ण संचालन में देरी हो रही है।

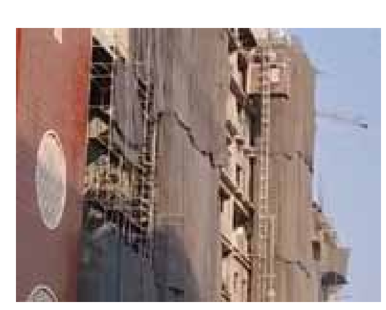

◆ 150 मीटर दूर पुरानी बिल्डिंग में जाना पड़ता

मरीजों की बढ़ी परेशानी रेडियोलॉजी विभाग के पूरी तरह शुरू न होने का सबसे ज्यादा असर गंभीर मरीजों पर पड़ रहा है। नए भवन में भर्ती मरीजों को जांच के लिए ट्रॉली या स्ट्रेचर के जरिए पुराने रेडियोलॉजी विभाग तक ले जाना पड़ता है, जो काफी दूरी पर स्थित है। इस प्रक्रिया में समय की बर्बादी होती है, जिससे इलाज में देरी होती है। कई मामलों में मरीजों की स्थिति गंभीर होने के कारण यह जोखिम भरा भी साबित हो सकता है। परिजनों को भी काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। एकीकृत सुविधा का अधूरा सपना नए रेडियोलॉजी विभाग में अत्याधुनिक सुविधाओं की योजना बनाई गई है, जिसमें 4 एमआरआई मशीन (दो 1.5 टेसला और दो 3 टेसला), दो सीटी स्कैन, 7 अल्ट्रासाउंड मशीन और 3 एक्स-रे मशीन शामिल हैं। यदि यह विभाग पूरी तरह शुरू हो जाता है, तो मरीजों को एक ही ब्लॉक में सभी जांच सुविधाएं मिलेंगी। इससे समय की बचत होगी और इलाज की प्रक्रिया अधिक प्रभावी हो सकेगी। फिलहाल यह सपना अधूरा नजर आ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

भारत-नेपाल सीमा पर पशु तस्करी नाकाम, 15 मवेशी बरामद

बीएनएम @ मोतिहारी। भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा बलों ने सतर्कता दिखाते हुए पशु तस्करी के एक प्रयास को विफल कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार की रात्रि लगभग 20:00 बजे आसूचना विभाग से सूचना मिली कि कुछ व्यक्ति नेपाल से भारत में गायों की तस्करी की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर नाका पार्टी को अलर्ट किया गया। 16 अप्रैल 2026 को कुछ संदिग्ध व्यक्ति नेपाल की ओर से पशुओं के साथ भारत की तरफ आते हुए दिखाई दिए। नाका पार्टी द्वारा उन्हें रोकने और पकड़ने का प्रयास किया गया, लेकिन सीमा नजदीक होने और अंधेरे का फायदा उठाकर सभी संदिग्ध व्यक्ति वापस नेपाल की ओर भागने में सफल रहे। जांच के दौरान मौके से कुल 15 मवेशी बरामद किए गए, जिनमें 5 गाय और 10 बछड़े शामिल हैं। बरामद सभी पशुओं को अग्रिम विधिक कार्रवाई हेतु अदापुर थाना को सुपुर्द कर दिया गया है। प्रशासन द्वारा मामले की जांच जारी है तथा सीमा क्षेत्र में निगरानी और कड़ी कर दी गई है।

सीबीएसई 10वीं में निकिता कुमारी ने लहराया परचम, 84.4 प्रतिशत अंक लाकर बढ़ाया जिले का मान

बीएनएम @ मोतिहारी। सीबीएसई बोर्ड की 10वीं कक्षा के घोषित परिणाम में मोतिहारी अवधेश चौक निवासी सियाराम सिंह की पुत्री निकिता कुमारी ने 84.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने परिवार और जिले का नाम रोशन किया है। निकिता की इस सफलता से परिवार में खुशी का माहौल है और आसपास के लोगों में भी हर्ष देखा जा रहा है। परिजनों के अनुसार निकिता शुरू से ही पढ़ाई के प्रति गंभीर और मेहनती रही है। उसकी इसी लगन और कड़ी मेहनत का परिणाम है कि उसने सीबीएसई की परीक्षा में शानदार अंक हासिल किए हैं। निकिता की सफलता से परिवार के सदस्य गर्व महसूस कर रहे हैं और उसे आगे भी इसी तरह मेहनत करते हुए जीवन में ऊंचाइयों तक पहुंचने की शुभकामनाएं दे रहे हैं। निकिता की इस उपलब्धि पर उसे बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। बधाई देने वालों में मुख्य रूप से उसके नाना कृष्णनंदन सिंह, मामा डॉ. मृगांक शेखर, रूपम कुमारी, रोमा कुमारी,रजनी कुमारी,शुभ्रा कुमारी,आदित्य कुमार, रजनीश कुमार, जयजीत शर्मा उर्फ सोनू जी, मनीष कुमार, मनोज कुमार सहित अनेक लोगों ने निकिता को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

छात्रों के बीच पाठ्य पुस्तकों का वितरण, बच्चों के चेहरों पर दिखी खुशी

बीएनएम @ रामगढ़वा। स्थानीय प्रखंड के राजकीय प्राथमिक विद्यालय मौजे टोला में नए शैक्षणिक सत्र के सुचारू संचालन को लेकर छात्र-छात्राओं के बीच पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अशोक पन्ना विशेष रूप से उपस्थित रहे। पुस्तक वितरण समारोह के दौरान जैसे ही नन्हे-मुन्ने बच्चों के हाथों में नई किताबें सौंपी गईं, उनके चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ झलक उठा। इस अवसर पर बीईओ अशोक पन्ना ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि पुस्तकें ज्ञान का सबसे मजबूत आधार होती हैं और समय पर इनका उपलब्ध होना छात्रों की शैक्षणिक प्रगति के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने शिक्षकों से शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत रहने की अपील की। विद्यालय के प्रधानाध्यापक इफ्तेखार अहमद ने मुख्य अतिथि एवं उपस्थित शिक्षकों का स्वागत करते हुए कहा कि बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाना विद्यालय की प्राथमिकता है। उन्होंने अभिभावकों से भी अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने की अपील की, ताकि उन्हें पुस्तकों और शिक्षकों के मार्गदर्शन का पूरा लाभ मिल सके। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक अकीजुल रहमान, नूरजहां खातून, वीरेंद्र दास और देवेंद्र कुमार की सक्रिय भूमिका रही। सभी शिक्षकों की मौजूदगी में वर्गवार सुव्यवस्थित तरीके से पाठ्य पुस्तकों का वितरण संपन्न कराया गया।

डुमरियाघाट में चोरी की बाइक के साथ संग्रामपुर का एक युवक धराया

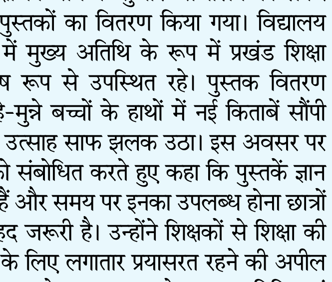

बीएनएम @ डुमरियाघाट। डुमरियाघाट पुलिस ने रात्रि गश्ती के दौरान बुधवार को डुमरियाघाट थाना क्षेत्र के सेमभुआपुर चौक के समीप चोरी की बाइक के साथ एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। हिरासत में लिया गया व्यक्ति राजा कुमार है जो रामशंकर सहनी का पुत्र बताया जा रहा है। वह संग्रामपुर थाना क्षेत्र के नया टोला गांव का रहनेवाला है। पुलिस ने उक्त युवक से बाइक के कागजात की पूछ ताछ किया मगर कागजात नहीं मिला। पुलिस ने अग्रिम कार्रवाई करते हुए हीरो एचएफ डीलक्स बाइक को जब्त कर मामले के आलोक में डुमरियाघाट थाना कांड संख्या -120/26 दर्ज पकड़े गए युवक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस कार्रवाई में पुअनि मिथिलेश राम समेत पुलिस बल के जवान शामिल थे।

मारपीट कर युवक से 50 हजार रुपया व दो मोबाइल छिना, तीन पर प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम @ तुरकौलिया। पिपरिया गांव से 50 हजार रुपए लेकर परशुरामपुर चौक पर अपने रिश्तेदार को देने जा रहे एक युवक को बोरिंग चौक के पास घेरकर मारपीट कर रुपए लूट लिया गया। घटना को लेकर मेहरुन नेशा ने थाना पर आवेदन देकर निमोड़या के ओमप्रकाश साह, आकाश कुमार व विशाल कुमार के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी में बताया गया है कि मेहरुन नेशा का पुत्र सलमान राज परशुरामपुर चौक पर अपने एक रिश्तेदार को 50 हजार रुपए देने जा रहा था। इसी दौरान बोरिंग चौक स्थित निर्भय पान दुकान के पास रुककर सलमान ठंडा पीने लगा। इसी दौरान नशे में धुत ओमप्रकाश आकर बिना वजह गाली देते हुए मारपीट करने लगा। वहीं आकाश और विशाल भी आकर उसे पीटने लगे। विरोध करने पर उक्त लोग मारपीट कर पाकेट से 50 हजार रुपए छिन लिए। आकाश ने चाकू से गर्दन पर हमला कर दिया। बचाव करने के दौरान चाकू कान के नीचे लगने से सलमान बुरी तरह घायल हो गया। गले से 90 हजार का चैन व पाकेट से आईफोन व एंड्रॉयड का दो मोबाइल भी उक्त आरोपियों ने छीन लिये। जख्मी सलमान को एबी हास्पीटल, बोरिंग चौक में भर्ती कराया गया। जहां से चिकित्सकों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे सदर अस्पताल मोतिहारी रेफर कर दिया गया। थानाध्यक्ष संपत कुमार ने बताया कि गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

देश की रक्षा गतिविधियों से अवगत रहना हर भारतीय का है कर्त्तव्यः प्रो. मृगेंद्र

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। शहर के लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय के जन्तु विज्ञान विभाग द्वारा मोतिहारी के महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में भारत सरकार के डीआरडीओ द्वारा 15 अप्रैल से 18 अप्रैल तक आयोजित होने वाले डीआरडीओ के रक्षा प्रदर्शनी में महाविद्यालय के जन्तु विज्ञान और भूगोल विभाग के छात्र-छात्राओं को जन्तु विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज कुमार के कुशल नेतृत्व में प्रातः10.45 बजे से दोपहर एक बजे तक शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मृगेंद्र कुमार के निर्देशानुसार इस शैक्षणिक परिभ्रमण में महाविद्यालय के स्नातक द्वितीय, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर के 40 छात्र-छात्राएं सक्रिय रूप से भाग लिया और प्रदर्शनी का लाभ उठाया। छात्रों ने शैक्षणिक भ्रमण के दौरान देश भर के विभिन्न डीआरडीओ लेबोरेटरीज के द्वारा लगाए गए स्टॉल्स का एक-एक कर के भ्रमण किया गया एवं विभिन्न स्वदेशी उन्नत रक्षा तकनीक एवं उपकरण, संचार उपकरण, अत्याधुनिक हथियार प्रणाली, सेना के द्वारा उपयोग किए जाने वाले बुलेट प्रूफ जैकेट, हेलमेट, टैंक, सबमरीन, ब्रह्मोस, अग्नि, आकाश इत्यादि मिसाइलों के मॉडल्स को देखा और उनके बारे में संबंधित वैज्ञानिकों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस भ्रमण के दौरान छात्रों को देश के कोने-कोने से आए विभिन्न वैज्ञानिकों से मिलने और जानकारी प्राप्त करने का अवसर प्राप्त हुआ। छात्रों को अपने देश के सम्मानित वैज्ञानिकों से मिलकर गर्व की अनुभूति हुई। डीआरडीओ देहरादून के लेबोरेटरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक इंजीनियर नितिन रंजन ने हैंड-हेल्ड थर्मल इमेजर, पैसिव नाइट विजन गॉगल, इन्सास राइफल में प्रयुक्त होने वाले पैसिव नाइट साइट तकनीक, रेंज फाइंडर इत्यादि में प्रयुक्त स्वदेशी तकनीक और उपयोग के बारे में छात्रों को विस्तृत रूप से बताया। डीआरडीओ हैदराबाद के वैज्ञानिक इंजीनियर कृष्ण कुम्भार ने आई.एन.एस. विक्रांत, मिसाइल्स एवं अन्य रक्षा उपकरणों में प्रयुक्त होने वाले मेटल और नॉन-मेटल्स के बारे में छात्र-छात्रों को विस्तृत रूप से ज्ञानवर्धन किया। वहीं डॉ. नीरज ने छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि डीआरडीओ के वैज्ञानिक देश की सेना को तकनीकी रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा रहे है। हमें उन वैज्ञानिकों पर गर्व है। इस प्रदर्शनी में अश्मित कुमार, अश्मित कुमार तिवारी, निर्मला, सानिया, निक्की, अनुष्का, पल्लवी, आराध्या, पलक, प्रियांशी, राकेश, रिया, उरूज, निकहत, ब्यूटी, नूरसबा, प्रिशा, आशीष, युवराज, राजकुमार, अरसलान, अंकुरा, प्रियव्रत, हिमांशु, रोहन, शुभम, विराट इत्यादि छात्र-छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कामता मिश्र हमले के मुख्य साजिशकर्ता ने कोर्ट में किया आत्मसमर्पण

बीएनएम @ मोतिहारी/हरसिद्धि

मोतिहारी/हरसिद्धि। चर्चित हार्डवेयर व्यवसायी कामता मिश्र पर हुए जानलेवा हमले के मामले में नामजद आरोपी आदित्य पाण्डेय ने गुरुवार को कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। वह पिपरा थाना क्षेत्र के कुंडिया गांव का निवासी बताया गया है। पुलिस अब उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ की तैयारी में जुट गई है। बताया जाता है कि लगातार पुलिस दबिश और गिरफ्तारी के बढ़ते दबाव के कारण आरोपी ने कोर्ट में सरेंडर किया। इससे पूर्व इस मामले में पुलिस मुख्य शूटर समेत छह अपराधियों को गिरफ्तार कर चुकी है। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपियों ने आदित्य पाण्डेय का नाम साजिशकर्ता के रूप में सामने लाया था। इसके बाद से पुलिस उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही थी। गौरतलब है कि 30 मार्च 2025 को गायघाट चौक स्थित अपनी दुकान में बैठे कामता मिश्र पर अपराधियों ने हमला कर दिया था। दुकान में घुसकर बदमाशों ने उनके सिर में गोली मार दी थी। गंभीर रूप से घायल मिश्र का लंबे समय तक इलाज चला, जिसके बाद उनकी जान बच सकी। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि सरेंडर किए आरोपी को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ में गोलीकांड के पीछे सक्रिय गिरोह और सुपारी कनेक्शन से जुड़े कई अहम राज सामने आएंगे।

साइक्लोथॉन में रवि रंजन, आशीष, सुधीर, आयुषी, रितिका और साक्षी बने विजेता

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला अग्निशमन विभाग, पूर्वी चम्पारण द्वारा अग्निशमन सेवा सप्ताह (14 से 20 अप्रैल) के तहत गुरुवार को बालक-बालिका साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। समाहरणालय परिसर के समीप आयोजित इस कार्यक्रम में जिला समादेष्टा सह जिला अग्निशमन पदाधिकारी तृप्ति सिंह ने प्रतिभागियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साइक्लोथॉन का रूट समाहरणालय से शुरू होकर कचहरी चौक, राजा बाजार, फ्लाईओवर, सदर अस्पताल रोड और नगर थाना गोलम्बर होते हुए पुनः समाहरणालय पर समाप्त हुआ। पूरे मार्ग में प्रतिभागियों की सुरक्षा के लिए पुलिस बल आगे-आगे तैनात रहा, जिससे आयोजन सुचारू और सुरक्षित ढंग से संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के बालक वर्ग में रवि रंजन कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं आशीष भारद्वाज द्वितीय और सुधीर शर्मा तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में आयुषी श्रीवास्तव ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि रितिका कुमारी द्वितीय और साक्षी कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। समापन के बाद सभी विजेताओं को जिला समादेष्टा सह जिला अग्निशमन पदाधिकारी एवं अन्य अधिकारियों द्वारा मोमेंटो और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस साइक्लोथॉन का मुख्य उद्देश्य आम लोगों के बीच अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना था, ताकि आपात स्थिति में लोग सतर्कता और बचाव के उपायों को बेहतर ढंग से समझ सकें। इस मौके पर जिला अग्निशमन विभाग के कई पदाधिकारियों के साथ जिला साइक्लिंग संघ के सचिव सिद्धार्थ वर्मा, बिहार साइक्लिंग के मुख्य कोच अभय कुमार लुईस, शारीरिक शिक्षक विजय कुमार, अमित राज तथा वरिष्ठ साइक्लिस्ट बेबी कुमारी, अप्पी कुमारी, श्वेता कुमारी, धर्मवीर कुमार, राजन कुमार, एसपी लाल कुमार और मणिकांत पटेल मौजूद रहे।

विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रशासन सख्त, डीईओ ने किया औचक निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश के आलोक में जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरी ने गुरुवार को सदर प्रखंड स्थित राजकीय मध्य विद्यालय, लखौरा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति, पठन-पाठन की गुणवत्ता, मध्याह्न भोजन (एमडीएम) के संचालन तथा साफ-सफाई की व्यवस्था का गहन अवलोकन किया गया। निरीक्षण के समय विद्यालय के छात्र मध्याह्न भोजन ग्रहण कर रहे थे, जिसकी गुणवत्ता का भी जायजा लिया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने कक्षा में उपस्थित छात्रों से पठन-पाठन की स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा उन्हें ब्लैकबोर्ड पर प्रश्न हल करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान उन्होंने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्व पर बल दिया। जिलाधिकारी द्वारा पूर्व में ही जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तर के सभी पदाधिकारियों सहित शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि विद्यालय निरीक्षण के दौरान शिक्षण व्यवस्था की नियमित जांच करें तथा छात्रों को बेहतर ढंग से शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित करें। प्रशासन का उद्देश्य विद्यालयों में शैक्षणिक वातावरण को सुदृढ़ करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना है।

जिलाधिकारी के निर्देश पर विद्यालयों का निरीक्षण अभियान तेज, अरेराज एसडीओ अंजली शर्मा ने बहादुरपुर पंचायत के स्कूलों का किया निरीक्षण

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। जिलाधिकारी पूर्वी चंपारण के निर्देश के आलोक में जिले भर में चल रहे विद्यालय निरीक्षण अभियान के तहत अनुमंडल पदाधिकारी अरेराज अंजली शर्मा ने अरेराज प्रखंड के बहादुरपुर पंचायत स्थित विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति, पठन-पाठन की गुणवत्ता, मध्याह्न भोजन योजना (एमडीएम) का संचालन तथा साफ-सफाई व्यवस्था का गहन जायजा लिया गया। निरीक्षण के क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी ने संबंधित प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कक्षा कक्षों में जाकर विद्यार्थियों से पढ़ाई की स्थिति की जानकारी ली तथा ब्लैकबोर्ड पर प्रश्न हल कराकर बच्चों की शैक्षणिक क्षमता का भी परीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रों को नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए प्रेरित किया। बच्चों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन भी किया गया। बताया गया कि अनुमंडल पदाधिकारी ने मंगलवार दिनांक 15 अप्रैल 2026 को भी अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों का भ्रमण कर निरीक्षण किया था तथा विद्यार्थियों को मोटिवेट किया था। ज्ञात हो कि जिलाधिकारी पूर्वी चंपारण के निर्देश पर जिले के सभी विद्यालयों के निरीक्षण के लिए पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। यह विशेष निरीक्षण अभियान 15 अप्रैल 2026 से 20 अप्रैल 2026 तक लगातार संचालित किया जाएगा, ताकि विद्यालयों में शैक्षणिक वातावरण, अनुशासन एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया जा सके।

एसएसबी की कार्रवाईः 58 बैग उर्वरक जब्त, तस्कर नेपाल भागे

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। 71वीं वाहिनी एसएसबी, मोतिहारी के कार्यक्षेत्र अंतर्गत सीमा चौकी झांझरा को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्ति रेगनिया गाँव से बेरिया (नेपाल) की ओर उर्वरक की तस्करी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही समवाय प्रभारी को अवगत कराया गया, जिनके निर्देश पर एक विशेष गश्ती दल रवाना किया गया। गश्ती के दौरान दल ने 4-5 व्यक्तियों को भारत से नेपाल की ओर सामान ले जाते हुए देखा। एसएसबी दल को देखते ही सभी तस्कर सामान छोड़कर नेपाल के बेरिया गाँव की ओर फरार हो गए। जांच के दौरान गश्ती दल को विभिन्न स्थानों पर उर्वरक के बोरे फेंके हुए मिले। गहन तलाशी लेने पर मक्का के खेत में एक स्थान पर बोरे एकत्रित पाए गए। गिनती करने पर कुल 58 बैग (यूरिया खाद) बरामद किए गए। बरामद उर्वरक की विधिवत जब्ती सूची तैयार कर उसे सीमा शुल्क कार्यालय, मोतिहारी को सुपुर्द कर दिया गया।

चम्पापुर में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक, विकास कार्यों की हुई सघन जांच

» रामगढ़वा के पंचायत सरकार भवन में चार प्रखंडों के कार्यों की समीक्षा, डीएम ने किया ग्राम कचहरी का उद्घाटन

बीएनएम @ रामगढ़वा

रामगढ़वा। पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में रामगढ़वा प्रखंड के चम्पापुर पंचायत सरकार भवन में एक महत्वपूर्ण अनुमंडल स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में रक्सौल अनुमंडल के अंतर्गत आने वाले चार प्रमुख प्रखंडों आदापुर, रक्सौल, छौड़ादानों और रामगढ़वा के विकासात्मक कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने चम्पापुर में नवनिर्मित ग्राम कचहरी का विधिवत उद्घाटन भी किया। बैठक में एडीएम मुकेश कुमार सिन्हा, डीडीसी प्रदीप कुमार और रक्सौल एसडीएम मनीष कुमार सहित प्रशासन के आला अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान चारों प्रखंडों के सभी विभागों के पदाधिकारी और कर्मियों की उपस्थिति में सरकारी योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। रामगढ़वा बीडीओ राकेश कुमार सिंह और चम्पापुर की मुखिया जायदा खातून भी इस दौरान उपस्थित रहीं, जबकि सुरक्षा व्यवस्था की कमान थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने संभाली। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि पंचायत सरकार भवन के माध्यम से आम जनता को योजनाओं का लाभ सुलभ तरीके से मिलना चाहिए। इसी कड़ी में DM ने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं और उक्त पदाधिकारियों को समस्या दूर करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान स्थानीय लोगों ने जल निकासी, कृषि और अन्य जनहित से जुड़ी परेशानियां साझा कीं, जिस पर जिलाधिकारी ने त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को समय सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित करने का आदेश दिया। प्रशासन की इस पहल से स्थानीय ग्रामीणों में विकास की नई उम्मीद जगी है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में बड़ा खेलः 5 बच्चे मिले, रजिस्टर में 40 की हाजिरी; पोषाहार राशि में बंदरबांट का आरोप

बीएनएम @ मोतिहारी/चिरैया @ श्रीनिवास कुमार

मोतिहारी/चिरैया। प्रखंड क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों में सरकारी योजनाओं की हकीकत चौंकाने वाली है। कागजों पर बच्चों की भरमार दिखाई जा रही है, जबकि जमीनी स्तर पर केंद्रों की हालत बदहाल है। फर्जी हाजिरी बनाकर पोषाहार राशि के गबन और योजनाओं को कागजों तक सीमित रखने का बड़ा मामला सामने आया है। ग्रामीणों की शिकायत पर गुरुवार को सिरौना पंचायत के कठमलिया गांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 195 की जांच की गई। सुबह करीब 10 बजे केंद्र पर सिर्फ 5 बच्चे मौजूद मिले, जबकि उपस्थिति पंजी में 40 बच्चों की हाजिरी दर्ज थी। केंद्र की स्थिति देखकर साफ लगा कि यहां नियमित संचालन नहीं हो रहा है। बच्चे बिना ड्रेस के मिले और बुनियादी सुविधाओं का भी घोर अभाव दिखा। ग्रामीणों का आरोप है कि चिरैया प्रखंड के 298 से अधिक आंगनबाड़ी केंद्र सेविकाओं के घरों से संचालित हो रहे हैं। ऐसे में बच्चों को न तो शैक्षणिक माहौल मिल पा रहा है और न ही पोषण योजनाओं का समुचित लाभ। सेविका और सहायिका की अनियमित उपस्थिति से व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 194 की तस्वीर भी कम चिंताजनक नहीं मिली। जांच के दौरान यहां एक भी बच्चा मौजूद नहीं था, लेकिन रजिस्टर में नियमित उपस्थिति दर्ज पाई गई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि केंद्र पर मीनू के अनुसार पोषाहार वितरण कभी नहीं होता, जिससे बच्चों और गर्भवती महिलाओं तक सरकार की योजना का लाभ नहीं पहुंच पा रहा है। सबसे गंभीर आरोप विभागीय निगरानी पर है। ग्रामीणों का कहना है कि संबंधित सुपरवाइजर और विभागीय अधिकारी नियमित निरीक्षण नहीं करते, जिसकी वजह से सेविकाओं की मनमानी बढ़ती जा रही है। यदि समय-समय पर सख्त जांच होती, तो इस तरह की गड़बड़ियां इतनी व्यापक नहीं होतीं। अब बड़ा सवाल यह है कि जब उपस्थिति रजिस्टर से लेकर पोषाहार वितरण तक सब कुछ कागजों में सिमट जाए, तो बच्चों के पोषण और प्रारंभिक शिक्षा की सरकारी योजनाएं कैसे सफल होंगी? फिलहाल चिरैया प्रखंड के आंगनबाड़ी केंद्रों की बदहाल स्थिति प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

स्कूल सामग्री के लिए पेरेंट्स पर दबाव नहीं: डीएम

बीएनएम @ बेतिया : बेतिया के जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने निजी स्कूलों की मनमानी और अभिभावकों के आर्थिक शोषण को रोकने के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कोई भी विद्यालय अब अभिभावकों को किसी विशेष दुकान से किताबें, कॉपियां या यूनिफॉर्म खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकेगा। अभिभावक अब अपनी सुविधा अनुसार कहीं से भी शिक्षण सामग्री खरीदने के लिए स्वतंत्र हैं।नए आदेश के अनुसार, स्कूलों को अपनी फीस संरचना, किताबों की सूची और यूनिफॉर्म का विवरण नोटिस बोर्ड और वेबसाइट पर सार्वजनिक करना अनिवार्य होगा। यूनिफॉर्म बदलने के नाम पर होने वाली अवैध वसूली पर रोक लगाते हुए यह तय किया गया है कि अगले तीन वर्षों तक यूनिफॉर्म में कोई बदलाव नहीं होगा। साथ ही, बच्चों की सुरक्षा हेतु स्कूल वाहनों में सीसीटीवी कैमरा अनिवार्य कर दिया गया है। इन सख्त नियमों से जिले के करीब डेढ़ लाख छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों को बड़ी राहत मिली है। निर्देशों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों पर प्रशासन द्वारा कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

निवेश प्रोत्साहन पैकेज 2025 और सेमीकंडक्टर नीति से खुलेगा विकास का द्वार

बीएनएम @ पटना: बिहार सरकार ने राज्य की आर्थिक तस्वीर बदलने और औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देने के लिए कई दूरगामी नीतिगत फैसले लिए हैं। इन पहलों का मुख्य उद्देश्य बिहार को निवेश के लिए एक आकर्षक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। इसी कड़ी में सरकार ने बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज 2025 लागू किया है, जिसे देश के सबसे प्रभावी निवेश पैकेजों में से एक माना जा रहा है। यह पैकेज निवेशकों को वित्तीय सहायता के साथ-साथ सुगम कारोबार के लिए नीतिगत सुरक्षा भी प्रदान करता है।भविष्य की तकनीक को ध्यान में रखते हुए, मंत्रिपरिषद ने बिहार सेमीकंडक्टर नीति 2026 को मंजूरी दी है। केंद्र की योजनाओं के साथ सामंजस्य बिठाती यह नीति बिहार को पूर्वी भारत के टेक्नोलॉजी हब के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखती है। इसके अतिरिक्त, विशिष्ट क्षेत्रों के लिए निर्यात प्रोत्साहन नीति 2024, लॉजिस्टिक्स नीति 2024, और बॉयोफ्यूल्स उत्पादन प्रोत्साहन नीति जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं पहले से ही धरातल पर हैं।वस्त्र एवं चमड़ा नीति और स्टार्ट-अप नीति के जरिए सरकार युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन नीतियों का क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से हुआ, तो बिहार आने वाले वर्षों में वैश्विक निवेश के मानचित्र पर एक नई औद्योगिक शक्ति बनकर उभरेगा।

9 मई को लगेगी नेशनल लोक अदालत

बीएनएम @ बेतिया: प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनामिका टी के निर्देशानुसार, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव धीरेंद्र कुमार पांडे ने आगामी 9 मई को आयोजित होने वाली दूसरी नेशनल लोक अदालत की तैयारियों को लेकर न्यायिक पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक का मुख्य उद्देश्य आपसी सहमति के आधार पर अधिक से अधिक लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करना है। सचिव ने सभी पदाधिकारियों को अपने-अपने न्यायालयों से उपयुक्त वादों को चिह्नित कर पक्षकारों को जल्द नोटिस भेजने का निर्देश दिया। उन्होंने प्री-सिटिंग के माध्यम से लोगों को लोक अदालत के लाभ समझाकर समझौता करने के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया। इस प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिए पराविधिक स्वयंसेवकों की मदद ली जा रही है ताकि नोटिस का तामीला समय पर हो सके और लोग इस मंच का लाभ उठा सकें

सड़क हादसे में विक्षिप्त ने गंवाई जान

बीएनएम @ बगहा: धनहा-रतवल मुख्य पथ पर मंझार भडरवा के समीप बुधवार रात अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। मृत व्यक्ति मानसिक रूप से विक्षिप्त बताया जा रहा है, जो अक्सर आसपास के गांवों में घूमता देखा जाता था। घटना की सूचना पर नदी थानाध्यक्ष दीपक कुमार प्रसाद ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु बगहा अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है। पुलिस शिनाख्त के लिए शव को तीन दिनों तक सुरक्षित रखेगी, जिसके बाद अंतिम संस्कार किया जाएगा।

टीटीई उदित शंकर प्रसाद की ईमानदारी को सलाम

बीएनएम @ दानापुर/आरा: दानापुर रेल मंडल के एक टीटीई ने अपनी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से भारतीय रेल का मान बढ़ाया है। आज, 16 अप्रैल 2026 को गाड़ी संख्या 13247 (कैपिटल एक्सप्रेस) में ड्यूटी के दौरान टीटीई उदित शंकर प्रसाद को कोच B2 की बर्थ संख्या 52 के नीचे एक लावारिस ट्रॉली बैग मिला। यात्रियों से पूछताछ के बाद जब कोई मालिक नहीं मिला, तो उन्होंने बैग की जांच कर उसमें मिले विवरण के आधार पर यात्री मोहम्मद सकलैन रजा से संपर्क किया।यात्री को बैग छूटने की जानकारी तक नहीं थी। उदित शंकर ने बैग को सुरक्षित रखा और अपनी ड्यूटी समाप्त कर वापस लौटते समय दानापुर स्टेशन पर आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी कर बैग को यात्री के सुपुर्द कर दिया। अपना कीमती सामान वापस पाकर यात्री भावुक हो गए और उन्होंने टीटीई की ईमानदारी की जमकर सराहना की। रेलकर्मियों और यात्रियों ने भी उदित शंकर प्रसाद के इस मानवीय कार्य की प्रशंसा की है, जो रेल यात्रियों के बीच सुरक्षा और भरोसे का प्रतीक है।

विशिष्ट शिक्षक के खिलाफ डीईओ को सौंपा आवेदन

बीएनएम @ बैरिया: पश्चिम चंपारण जिले के बैरिया प्रखंड संसाधन केंद्र में पदस्थापित विशिष्ट शिक्षक मोहम्मद शमीम हाशमी को हटाने की मांग तेज हो गई है। स्थानीय निवासी धर्मेंद्र कुमार यादव ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को दोबारा आवेदन देकर कार्रवाई में देरी पर सवाल उठाए हैं। आरोप है कि हाशमी वर्षों से एक ही जगह जमे हुए हैं और प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों से साठगांठ कर अवैध उगाही व शिक्षकों का आर्थिक एवं मानसिक शोषण कर रहे हैं।शिकायत में नियमों के विरुद्ध प्रतिनियोजन (डेप्यूटेशन) और सर्विस बुक कार्यों में मनमानी के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। उदाहरण के तौर पर, बैजूवा पंचायत की एक प्रधान शिक्षिका का प्रतिनियोजन भौगोलिक बाधाओं की अनदेखी कर गंडक पार दूरस्थ विद्यालय में कर दिया गया। फिलहाल प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से संपर्क नहीं हो पाया है, लेकिन इस मामले ने शिक्षा विभाग की शुचिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नीट छात्रा मौत केस के मुख्य आरोपी को मिली जमानत

बीएनएम @ पटना : पटना के चर्चित नीट छात्रा मौत मामले में सीबीआई द्वारा तय समय सीमा के भीतर चार्जशीट दाखिल न करने के कारण मुख्य आरोपी मनीष कुमार रंजन को जमानत मिल गई है। शंभु गर्ल्स हॉस्टल के संचालक मनीष को पटना पुलिस ने 14 जनवरी 2026 को गिरफ्तार किया था, जिसके बाद मामला सीबीआई को सौंपा गया था।पोक्सो एक्ट के तहत 90 दिनों के भीतर आरोप पत्र दाखिल करना अनिवार्य है, लेकिन केंद्रीय एजेंसी की विफलता का लाभ आरोपी को मिला। इस कानूनी चूक और सीबीआई की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। छात्रा की संदिग्ध मौत से जुड़े इस संवेदनशील मामले में आरोपी के बाहर आने से पीड़ित परिवार में भारी नाराजगी है।

बेतिया नगर निगम के वार्ड 24 के पार्षद पदमुक्त

बीएनएम @बेतिया: राज्य निर्वाचन आयोग ने बेतिया नगर निगम के वार्ड संख्या 24 के पार्षद एनामुल हक को तत्काल प्रभाव से पदमुक्त कर दिया है। वाद संख्या 04/2025 (जेबा जबीं बनाम एनामुल हक) की सुनवाई के दौरान आयोग ने पाया कि पार्षद ने दो से अधिक संतान होने का तथ्य छिपाकर गलत शपथ पत्र और भ्रामक जन्म प्रमाण पत्र के आधार पर चुनाव जीता था।बिहार नगरपालिका अधिनियम, 2007 की सुसंगत धाराओं के तहत उन्हें अयोग्य घोषित करते हुए वार्ड 24 की सीट को रिक्त कर दिया गया है और वहां पुनः चुनाव कराने के निर्देश दिए गए हैं। आयोग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी को दोषी पार्षद के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही, जांच रिपोर्ट में देरी करने वाले अधिकारियों से दो सप्ताह के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है। पद के दुरुपयोग और पूर्व के विवादों के कारण चर्चा में रहे एनामुल हक पर हुई इस बड़ी कार्रवाई से नगर निगम में हड़कंप मच गया है|

बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में जुटे दो बदमाश धराये, देसी कट्टा और बोलेरो बरामद

» पुलिस को आता देख आधा दर्जन अन्य बदमाश भौगोलिक स्थिति का लाभ उठाकर फरार

» पकड़े गए बदमाशों ने पुलिस के समक्ष कई अहम राज उगले, भाग निकले साथियों के नाम का किया खुलासा

बीएनएम @ डुमरियाघाट

डुमरियाघाट। डुमरियाघाट थाना क्षेत्र में एक बड़ी आपराधिक घटना को पुलिस ने बुधवार को समय रहते नाकाम कर दिया। गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बोलेरो गाड़ी से पहुंचे बदमाशों के गिरोह पर छापेमारी की, जिसमें दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि अन्य अंधेरे और भौगोलिक स्थिति का लाभ उठाकर फरार हो गए। पुलिस को सूचना मिली थी कि रामपुर खजुरिया पंचायत के रमपुरवा गांव में उजले रंग की बोलेरो पर सवार 7-8 लोग अवैध हथियारों के साथ किसी संज्ञेय अपराध की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही गश्ती पदाधिकारी सअनि मनीष कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घेराबंदी की। छापेमारी के दौरान पुलिस को देखते ही सभी बदमाश वाहन छोड़कर भागने लगे। तत्परता दिखाते हुए पुलिस ने पीछा कर दो बदमाशों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान भोला राय (25 वर्ष), पिता- शंभू राय, निवासी- रामपुर खजुरिया तथा बबलू राम (19 वर्ष), पिता- शंभू राम, निवासी- रमपुरवा के रूप में हुई है। भोला राय के पास से एक अवैध देशी कट्टा बरामद किया गया। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार बदमाशों ने फरार साथियों के नाम भी उजागर किए हैं, जिनमें दीपक यादव (पिपराकोठी), मंटू (चकिया), शिव कुमार (सेंभूआपूर), शिवम सिंह (सरैया बदुरहा), लालाबाबू साह (रमपुरवा) और गोलू (डुमरिया) शामिल हैं। बरामद बोलेरो वाहन के संबंध में आरोपियों द्वारा कोई संतोषजनक जानकारी नहीं दी जा सकी है। पुलिस ने अवैध हथियार को जब्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। इस पूरी कार्रवाई में सअनि मनीष कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल की अहम भूमिका रही। थानाध्यक्ष विवेक कुमार बालेंदु ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर दोनों बदमाशों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।पुलिस अब फरार बदमाशों की तलाश में छापेमारी कर रही है। वही बदमाशों द्वारा उगले गए खुलासे के आधार पर अग्रतर कारवाई की जा रही है।

कांग्रेस नेताओं के हस्तक्षेप के बाद काम पर लौटेंगे सफाईकर्मी

बीएनएम @ गयाजी

गयाजी। गया नगर निगम में पिछले तीन दिनों से जारी सफाईकर्मियों की हड़ताल कांग्रेस और इंटक नेताओं के हस्तक्षेप के बाद समाप्त हो गई है। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता विजय कुमार मिठ्ठू के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने नगर आयुक्त से मुलाकात कर सफाईकर्मियों की जायज मांगों को अविलंब पूरा करने का आग्रह किया। विदित हो कि हड़ताल के कारण शहर के 53 वार्डों में कूड़े का अंबार लग गया था और आमजन गंदगी से परेशान थे।नेताओं ने सफाईकर्मियों के लिए सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी, ड्रेस, जूते, दस्ताने उपलब्ध कराने, अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति और ठेका कर्मियों को नियमित करने जैसी मांगें प्रमुखता से रखीं। नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपे जाने के बाद प्रशासन और सफाईकर्मियों के बीच सौहार्दपूर्ण वार्ता हुई। नगर आयुक्त ने आज से ही हड़ताल समाप्ति की घोषणा करते हुए आश्वस्त किया कि गुरुवार सुबह से शहर में घर-घर कूड़ा उठाव और साफ-सफाई का कार्य पुनः सुचारू रूप से शुरू हो जाएगा।इस मौके पर विजय कुमार मिठ्ठू के साथ पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला इंटक अध्यक्ष कृष्णा सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष अजय सिंह, महासचिव टिंकू गिरी एवं असंगठित मजदूर के जिला अध्यक्ष अरुण कुमार पासवान, राजीव कुमार सिंह उर्फ लबी सिंह आदि उपस्थित थे।

भारत-नेपाल सीमा सुरक्षा पर हाईलेवल मीटिंग

नशा और तस्करी के खिलाफ प्रशासन सख्त

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया: बेतिया में भारत-नेपाल सीमा की सुरक्षा, तस्करी और नशा नियंत्रण को लेकर जिलाधिकारी तरनजोत सिंह की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक और एनकॉर्ड की समीक्षा की गई। बैठक में प्रशासन, पुलिस और एसएसबी के अधिकारियों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने और अतिक्रमण हटाने पर विस्तृत चर्चा की।जिलाधिकारी ने नशा मुक्ति अभियान को गति देने के लिए छापेमारी और जन-जागरूकता बढ़ाने के सख्त निर्देश दिए। वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए लीड बैंक मैनेजर को संदिग्ध खातों की निगरानी करने और एटीएम में फर्जी करेंसी पहचानने वाली मशीनें लगाने को कहा गया। साथ ही, फर्जी पहचान पत्रों व सीएसपी केंद्रों की सघन जांच कर दोषियों पर प्राथमिकी दर्ज करने तथा अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान कर कार्रवाई करने का आदेश दिया गया। इस बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ. शौर्य सुमन सहित कई अन्य महत्वपूर्ण अधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने सीमा सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

बुजुर्गो को मिला 'सहारा', भव्य शुभारंभ

बीएनएम @ बेतिया: बेतिया के बड़ा रमना अनाथालय कैंपस में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित 'सहारा वृद्धाश्रम' का भव्य शुभारंभ किया गया। यह केंद्र बेसहारा और वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम का उद्घाटन सहायक निदेशक विकास कुमार, डीसीएलआर शिवम गुप्ता और अन्य गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया।इस अवसर पर बुजुर्गों के बीच हेल्थ किट और फूड किट जैसी आवश्यक सामग्रियां बांटी गईं। साथ ही, संस्था द्वारा बुजुर्गों के आवागमन और आपातकालीन चिकित्सीय जरूरतों के लिए एक ई-रिक्शा भी उपलब्ध कराया गया है। प्रशासन की इस संजीदा पहल से अब जिले के बुजुर्गों को न केवल सिर छुपाने की जगह मिलेगी, बल्कि उनकी स्वास्थ्य और देखभाल की जरूरतों को भी सम्मानपूर्वक पूरा किया जा सकेगा।

डीआईजी-एसपी बेतिया की पहल पर रवि ठाकुर मौत मामले में नया मोड़, दुर्घटना नहीं, अब हत्या कांड

एक माह बाद FIR में हत्या की धारा, पुलिस मोबाइल और बाइक पर सवार दो संदिग्धों की तलाश में जुटी

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। पश्चिम चम्पारण के बेतिया पुलिस जिले के लौरिया थाना क्षेत्र स्थित सिकरहना नदी पुल के नीचे होली के दिन अधमरी हालत में मिले रवि कुमार ठाकुर की मौत का मामला अब दुर्घटना से हत्या कांड में तब्दील हो गया है। डीआईजी और एसपी बेतिया के हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने मृतक के पिता के आवेदन पर अज्ञात हत्यारों के विरुद्ध मामला दर्ज कर अनुसंधान की दिशा बदल दी है। अब तक इस घटना को शराब के नशे में हुई दुर्घटना बताकर देखा जा रहा था, लेकिन मृतक के पिता सुदर्शन ठाकुर की लगातार गुहार और कई अनुत्तरित सवालों के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने इसे गंभीरता से लिया। इसके बाद करीब एक माह बाद हत्या की प्राथमिकी दर्ज होने से मामले में नया मोड़ आ गया है। मृतक रवि कुमार ठाकुर नरकटियागंज के हरदिया गांव का निवासी था। परिजनों के अनुसार, होली के दिन सुबह वह घर से निकला था। दोपहर में उसकी बहन को सूचना मिली कि रवि को किसी ने बुरी तरह पीटकर सिकरहना नदी पुल के नीचे फेंक दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से यह भी बात सामने आई कि घायल अवस्था में रवि ने खुद कहा था— "मुझे मारा गया है।" इसके बाद वह ज्यादा कुछ बोल नहीं सका। मामले को और संदिग्ध बनाता है कि रवि का मोबाइल फोन, लॉकेट और कड़ा गायब मिले। साथ ही ग्रामीणों ने यह भी बताया कि नरकटियागंज से लौरिया जाते समय उसकी बाइक पर दो अज्ञात युवक भी सवार थे। अब पुलिस इन्हीं दोनों संदिग्धों और गायब मोबाइल की तलाश में जुटी है। घटना का भावनात्मक पक्ष यह भी है कि रवि की शादी महज 11 माह पहले हुई थी, जबकि उसकी पत्नी गर्भवती बताई जा रही है। ऐसे में परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मृतक के पिता सुदर्शन ठाकुर ने कहा कि उनके इकलौते बेटे की हत्या हुई है और हत्यारों को सजा मिलनी चाहिए। उनका सबसे बड़ा सवाल है, रवि की बाइक पर सवार वे दो लोग आखिर कौन थे, और उसका मोबाइल व अन्य सामान किसने गायब किया? अब पूरे इलाके की नजर इस बात पर टिकी है कि बेतिया पुलिस इस हाई-प्रोफाइल हत्या कांड की गुत्थी कब तक सुलझाती है।

नीतीश के 'ऐतिहासिक फैसले' पर अडिग नई सरकार: सम्राट चौधरी

बीएनएम @ पटना

पटना। बिहार में नई सरकार के गठन के साथ ही शराबबंदी कानून पर सियासी पारा चढ़ गया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के शपथ ग्रहण के बाद एनडीए विधायक माधव आनंद ने इस कानून की व्यापक समीक्षा की मांग उठाकर नई बहस छेड़ दी है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि नई सरकार को नई सोच के साथ इस कानून के वास्तविक प्रभाव और धरातल पर इसकी स्थिति का आकलन करना चाहिए। विधायक का व्यक्तिगत मत है कि बिहार में अब इस कानून की आवश्यकता नहीं है।हालांकि, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समीक्षा की मांगों के बीच अपना रुख साफ कर दिया है। उन्होंने शराबबंदी को नीतीश कुमार का एक ऐतिहासिक और सामाजिक हित का फैसला बताते हुए इसे राज्य में जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई है। बावजूद इसके, सत्ता पक्ष के भीतर से उठ रहे विरोध के सुर और विपक्ष की घेराबंदी यह संकेत दे रहे हैं कि आगामी बजट सत्र और भविष्य की राजनीति में शराबबंदी का मुद्दा सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बना रहेगा

बरैनी घाट से 11 ट्रैक्टर जब्त, माफियाओं में मचा हड़कंप

बीएनएम @ गयाजी

गयाजी। गयाजी जिले में बालू माफियाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 11 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की हैं। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बेलागंज थाना क्षेत्र के बरैनी घाट पर की गई इस छापेमारी का नेतृत्व डीएसपी (विधि-व्यवस्था) रवि प्रकाश सिंह ने किया। टीम में चंदौती, मेन और पाई बिगहा थाने की पुलिस भी शामिल रही, जिन्होंने घाट की घेराबंदी कर अवैध खनन को मौके पर ही रोक दिया।पुलिस को बरैनी घाट पर लंबे समय से अवैध खनन की शिकायतें मिल रही थीं। छापेमारी के दौरान भगदड़ मच गई और कई चालक वाहन छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने सभी जब्त वाहनों के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है और वाहन मालिकों की पहचान की जा रही है। प्रशासन ने सख्त चेतावनी दी है कि अवैध खनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आने वाले दिनों में जिले के अन्य घाटों पर भी इसी तरह के सघन अभियान जारी रहेंगे।

तेज रफ्तार का कहर: पेड़ से टकराई बाइक, तीन युवक गंभीर रूप से घायल

बीएनएम @पताही

पताही। थाना क्षेत्र के बेला बैजु रोड स्थित रूपनी लवंगी देवी मंदिर के समीप बुधवार को तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। एक तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई, जिससे बाइक पर सवार तीन युवक बुरी तरह घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को प्राथमिक इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पताही लाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र के रामबन गांव निवासी मिंटू पासवान के दो पुत्र राहुल (21 वर्ष) और अनिकेत (19 वर्ष) अपने साथी गोलू कुमार के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने रूपनी उपाध्याय टोला जा रहे थे। घर से निकलते समय तीनों युवकों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी, लेकिन रास्ते में ही यह खुशी एक दर्दनाक हादसे में बदल गई। जैसे ही वे रूपनी लवंगी देवी मंदिर के पास पहुंचे, उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक की रफ्तार काफी तेज थी। पेड़ से टकराने के बाद तीनों युवक उछलकर सड़क किनारे खेत में जा गिरे। जोरदार टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। घटनास्थल पर खून के निशान और बाइक के मलबे को देखकर हर कोई सिहर उठा। बताया जा रहा है कि इस हादसे में सुरक्षा नियमों की अनदेखी भी सामने आई है। तीनों युवकों ने हेलमेट नहीं पहना था, जिसके कारण उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। चिकित्सकों का भी मानना है कि यदि हेलमेट पहना होता तो चोट की गंभीरता कम हो सकती थी। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जिस घर में शादी की खुशियां मनाई जानी थीं, वहां इस हादसे की खबर सुनकर माहौल गमगीन हो गया। इस संबंध में पताही थाना अध्यक्ष बबन कुमार ने बताया कि "प्रथम दृष्टया यह मामला अत्यधिक तेज रफ्तार और लापरवाही का प्रतीत होता है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक को जब्त कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।"

बच्चों को गहरा नुकसान

कोर्ट ने पाया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने एडिक्टिव डिजाइन फीचर्स बनाए। बच्चों पर उनके संभावित दुष्प्रभाव के बारे में उन्होंने पूर्व चेतावनी नहीं दी। इस कारण कोर्ट ने उन पर लगभग 60 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया है।

सोशल मीडिया कंपनियों ने अपने प्लेटफॉर्म पर जानबूझ कर ऐसी तकनीकी व्यवस्था की है, जिससे यूजर्स को उन पर बने रहने की लत लग जाती है। खासकर बच्चों को इससे गहरा नुकसान हो रहा है। अमेरिका में कैलिफोर्निया की एक अदालत ने पिछले हफ्ते इस संबंध में एक दूरगामी महत्त्व का फैसला दिया। उसमें सोशल मीडिया कंपनियों मेटा (इंस्टाग्राम) और गूगल (यूट्यूब) को बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य हानि पहुंचाने का दोषी ठहराया गया। कोर्ट ने पाया कि इन प्लेटफॉर्म्स ने एडिक्टिव डिजाइन (लत डालने वाले) फीचर्स बनाए। बच्चों पर उनके हो सकने वाले दुष्प्रभाव के बारे में उन्होंने कोई पूर्व चेतावनी नहीं दी। इस कारण कोर्ट ने उन कंपनियों पर लगभग 60 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया है।

यह फैसला एक 20 वर्षीय महिला की याचिका पर आया, जिसने बताया कि बचपन से ही इंस्टाग्राम और यूट्यूब के उपयोग ने उसके जीवन पर खराब असर डाला और उसकी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ाईं। इस फैसले को सोशल मीडिया कंपनियों के लिए पहला बड़ा कानूनी झटका माना गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक अब मेटा और गूगल जैसी कंपनियों पर अपने प्लेटफॉर्म डिजाइन बदलने और उन्हें बच्चों के लिए सुरक्षित बनाने के लिए दबाव बढ़ेगा। मगर ये बात अमेरिका के अंदर की है। बाहर में जब कभी किसी देश ने इन कंपनियों पर लगाम लगाने की कोशिश की है, अमेरिका सरकार अपनी कंपनियों के बचाव में आ खड़ी हुई है। डॉनल्ड ट्रंप के शासनकाल में यह प्रवृत्ति अधिक आक्रामक नजर आई है। विनियमन की यूरोपियन यूनियन की कोशिश के खिलाफ ट्रंप खुद मोर्चा संभाले रहे हैं। इसके बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने सोशल मीडिया तक बच्चों की पहुंच रोकने के ठोस कदम उठाए हैं। भारत में भी ऐसी चर्चा हाल में तेज हुई है। कर्नाटक सरकार ने इस दिशा में पहल की है। मगर जब ऐसा कदम केंद्र के स्तर पर नहीं उठाया जाता, उसके प्रभावी होने की संभावना नहीं है। अतः नरेंद्र मोदी सरकार को कम-से-कम इस मामले में अमेरिकी दबाव की परवाह ना करते हुए ठोस वैधानिक पहल करनी चाहिए। बच्चों को सिर्फ कंज्यूमर समझने वाली कंपनियों को विनियमित करने की अति-आवश्यकता है।

महिला आरक्षण बिल के बाद बदलेगी संसद की सूरत

सौरभ वार्ष्णेय

१६ अप्रैल से संसद का विशेष संत्र आयोजित होने जा रहा है। इस सत्र में भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था एक नए दौर में प्रवेश कर रही है। लंबे इंतजार और व्यापक राजनीतिक विमर्श के बाद पारित हुआ महिला आरक्षण बिल—जिसे आधिकारिक रूप से नारी शक्ति वंदन अधिनियम कहा जाता है—देश की संसद और विधानसभाओं की संरचना में ऐतिहासिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करता है। यह विधेयक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करता है, जो भारतीय राजनीति में लैंगिक संतुलन की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है।

आज तक भारतीय संसद में महिलाओं की भागीदारी सीमित रही है। हालांकि इंदिरा गांधी, सुषमा स्वराज और ममता बनर्जी जैसी प्रभावशाली महिला नेताओं ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है, लेकिन कुल संख्या के लिहाज से महिलाएं अब भी कम प्रतिनिधित्व वाली श्रेणी में रही हैं। ऐसे में यह आरक्षण बिल केवल संख्या बढ़ाने का नहीं, बल्कि नीति निर्माण में महिलाओं की दृष्टि और संवेदनशीलता को शामिल करने का प्रयास भी है।

इस विधेयक के लागू होने के बाद संसद की सूरत में व्यापक बदलाव देखने को मिल सकता है। अधिक संख्या में महिला सांसदों की भागीदारी से सामाजिक न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा और पोषण जैसे मुद्दों पर अधिक गंभीरता से चर्चा होने की संभावना है। इससे नीतियां अधिक समावेशी और जमीनी हकीकत के करीब बन सकती हैं।

हालांकि, इस बदलाव के साथ कुछ चुनौतियां भी सामने आएंगी। राजनीतिक दलों को योग्य महिला उम्मीदवारों को तैयार करने और उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे। केवल आरक्षण से ही वास्तविक सशक्तिकरण संभव नहीं है; इसके लिए सामाजिक मानसिकता में बदलाव और राजनीतिक प्रशिक्षण भी उतना ही आवश्यक है। इसके अलावा, आरक्षण की व्यवस्था को लागू करने के लिए परिसीमन की प्रक्रिया भी महत्वपूर्ण होगी, जो इस कानून के क्रियान्वयन को प्रभावित कर सकती है। इस कारण, इसके प्रभावी लागू होने में समय लगने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता।फिर भी, यह कहना गलत नहीं होगा कि महिला आरक्षण बिल भारतीय लोकतंत्र को अधिक प्रतिनिधिक, संतुलित और संवेदनशील बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर है। यह न केवल संसद की सूरत बदलेगा, बल्कि राजनीति की सोच और प्राथमिकताओं को भी नई दिशा देगा। यह विधेयक केवल महिलाओं के अधिकारों की बात नहीं करता, बल्कि एक मजबूत, समावेशी और न्यायपूर्ण भारत के निर्माण की आधारशिला रखता है।

केंद्र सरकार ने हाल ही में उन आशंकाओं को दूर करने का प्रयास किया है, जो 2029 तक विधानसभाओं में 33 प्रतिशत

महिला आरक्षण लागू करने के लिए प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया को लेकर विशेषकर दक्षिण भारतीय राज्यों में उभर रही हैं। यह मुद्दा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि संघीय ढांचे, प्रतिनिधित्व के संतुलन और लोकतांत्रिक विश्वास से भी जुड़ा हुआ है।महिला आरक्षण का उद्देश्य राजनीति में लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है। लंबे समय से संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी अपेक्षाकृत कम रही है। ऐसे में 33त्न आरक्षण का प्रावधान एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। लेकिन इसके साथ जुड़ा परिसीमन का सवाल कई जटिलताओं को जन्म देता है। परिसीमन का अर्थ है जनसंख्या के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण। 2026 के बाद होने वाली संभावित परिसीमन प्रक्रिया में जनसंख्या के वर्तमान आंकड़ों को आधार बनाया जाएगा। यहीं से दक्षिण भारत के राज्यों की चिंता शुरू होती है। इन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया है, जबकि उत्तर भारत के कुछ राज्यों में जनसंख्या वृद्धि अधिक रही है। ऐसे में आशंका है कि परिसीमन के बाद दक्षिणी राज्यों की सीटें घट सकती हैं, जिससे उनकी राजनीतिक ताकत कमजोर हो सकती है।

केंद्र सरकार का कहना है कि महिला आरक्षण और परिसीमन दो अलग-अलग प्रक्रियाएँ हैं, और किसी भी राज्य के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि संतुलन और न्याय के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए ही कोई निर्णय लिया जाएगा। लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल आश्वासन से राज्यों की चिंताएँ दूर हो जाएंगी?

यह भी समझना जरूरी है कि महिला आरक्षण को परिसीमन से जोडऩे का प्रावधान क्यों रखा गया। इसका एक कारण यह है कि नए सिरे से सीटों का निर्धारण होने पर आरक्षित सीटों का संतुलित और न्यायसंगत वितरण संभव हो सके। लेकिन यही प्रावधान अब राजनीतिक विवाद का कारण बन रहा है।

समाधान के लिए आवश्यक है कि केंद्र और राज्यों के बीच संवाद और विश्वास कायम रखा जाए। एक ऐसा मॉडल विकसित किया जाए, जिसमें महिला सशक्तिकरण के लक्ष्य को प्राप्त करते हुए क्षेत्रीय संतुलन भी बना रहे। संभव है कि परिसीमन के लिए केवल जनसंख्या ही नहीं, बल्कि अन्य मानकों को भी शामिल किया जाए, ताकि न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सके।महिला आरक्षण एक सामाजिक और लोकतांत्रिक आवश्यकता है, लेकिन इसे लागू करने की प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए जो किसी भी क्षेत्र या राज्य के साथ असमानता की भावना पैदा न करे। यह समय राजनीतिक परिपक्वता और दूरदर्शिता दिखाने का है, ताकि देश एक समावेशी और संतुलित लोकतंत्र की ओर आगे बढ़ सके।

महिला आरक्षणः एक सामाजिक और लोकतांत्रिक आवश्यकता

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की अनिवार्यता है। लंबे समय से राजनीति और नीति-निर्माण के केंद्र में पुरुषों का वर्चस्व रहा है, जिसके कारण महिलाओं से जुड़े कई मुद्दे अपेक्षित प्राथमिकता नहीं पा सके। ऐसे में महिला आरक्षण का प्रश्न केवल प्रतिनिधित्व का नहीं, बल्कि बराबरी और सशक्तिकरण का भी है।महिलाएं देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं, लेकिन संसद और विधानसभाओं में उनकी भागीदारी अभी भी सीमित है। पंचायत स्तर पर आरक्षण लागू होने के बाद यह स्पष्ट हो चुका है कि जब महिलाओं को अवसर मिलता है, तो वे न केवल प्रभावी नेतृत्व करती हैं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव भी लाती हैं। इस अनुभव को उच्च स्तर की राजनीति में लागू करना समय की मांग है।महिला आरक्षण सामाजिक असमानताओं को दूर करने का एक प्रभावी माध्यम बन सकता है। भारतीय समाज में अब भी कई स्तरों पर लैंगिक भेदभाव मौजूद है, जो महिलाओं की प्रगति में बाधा बनता है। आरक्षण नीति उन्हें एक सशक्त मंच प्रदान करती है, जहां वे अपनी आवाज़ बुलंद कर सकती हैं और अपने अधिकारों की रक्षा कर सकती हैं।लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसमें सभी वर्गों का समुचित प्रतिनिधित्व हो। यदि आधी आबादी निर्णय-निर्माण प्रक्रिया से बाहर रहती है, तो लोकतंत्र अधूरा ही रहेगा। महिला आरक्षण इस अधूरेपन को दूर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।हालांकि, इसके साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हैं, जैसे राजनीतिक दलों की इच्छाशक्ति, आरक्षण के प्रभावी क्रियान्वयन और वास्तविक सशक्तिकरण सुनिश्चित करना। लेकिन इन चुनौतियों के बावजूद, महिला आरक्षण का महत्व कम नहीं होता। यह एक ऐसा कदम है जो भारत को अधिक न्यायपूर्ण, समावेशी और सशक्त लोकतंत्र की ओर अग्रसर कर सकता है। महिला आरक्षण केवल महिलाओं के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के विकास के लिए आवश्यक है। यह न केवल समानता को बढ़ावा देता है, बल्कि लोकतंत्र की जड़ों को भी मजबूत करता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है)

नीतीश कुमार का 'मास्टरस्ट्रोक': राज्यसभा की राह और जदयू के अस्तित्व की अंतिम लड़ाई

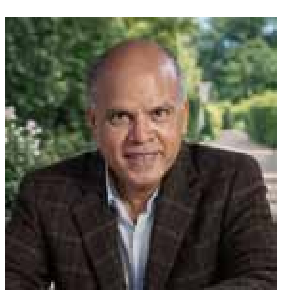

"प्रोफेसर पुर्नेंदु रंजन

बिहार की राजनीति में आज एक युग का औपचारिक अंत हो गया। मुख्यमंत्री पद से नीतीश कुमार का इस्तीफा और उनका राज्यसभा की ओर रुख करना केवल एक व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि अपनी पार्टी, जनता दल (यूनाइटेड) को भविष्य की चुनौतियों से बचाने की एक सुचिंतित और दूरदर्शी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

1. **निशांत कुमारः** सत्ता के बजाय 'पार्टी की धुरी' नीतीश कुमार के इस कदम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू उनके पुत्र, निशांत कुमार का सक्रिय राजनीति में प्रवेश है। सर्वसम्मति का अभावः जदयू के भीतर किसी भी अन्य दिग्गज नेता के नाम पर आम सहमति नहीं बन पा रही थी। ऐसे में निशांत कुमार एक तटस्थ केंद्रबिंदु'(Neutral Pivot) के रूप में उभरे हैं, जो पार्टी के विभिन्न गुटों को एकजुट रखने में सक्षम हैं।

पद से परहेज, प्रभाव पर जोरः उन्हें उपमुख्यमंत्री जैसा कोई सरकारी पद न देकर, नीतीश ने चतुराई से 'परिवारवाद' के आरोपों की धार कुंद कर दी है। निशांत का मुख्य कार्य सरकार चलाना नहीं, बल्कि पार्टी के भीतर किसी भी प्रकार के असंतोष या बगावत को रोकना है।

2. **सामाजिक समीकरण और सवर्ण वोट बैंक की रक्षा-** नीतीश कुमार ने अपने पूरे राजनीतिक सफर में न केवल पिछड़ों और अति-पिछड़ों (EBC) को साधा, बल्कि धीरे-धीरे कांग्रेस और भाजपा के पारंपरिक सवर्ण वोट बैंक में भी बड़ी सेंध लगाई।

इंद्रधनुषी गठबंधनः जदयू के शीर्ष नेतृत्व और सलाहकार मंडली में सवर्ण नेताओं की मौजूदगी यह दर्शाती है कि नीतीश अपने इस नए और विस्तृत आधार को खोना नहीं चाहते।

उत्तराधिकार का संकटः नीतीश को आभास है कि उनके बाद कोई भी अन्य नेता इस जटिल सामाजिक गठबंधन (सवर्ण + पिछड़ा) को संभाल नहीं पाएगा। इसलिए, उन्होंने अपनी विरासत की चाबी निशांत को सौंपी है ताकि पार्टी का 'कोर' सुरक्षित रहे।

3. **गिरता स्वास्थ्य और 'अंतिम विकल्प' की मजबूरी-** राजनीतिक गलियारों में नीतीश कुमार के गिरते मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की चर्चाएं लंबे समय से थीं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह नीतीश का अंतिम साहसिक प्रयास' (Last Ditch Effort) है। वे अपनी चेतना और नियंत्रण खोने से पहले यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि जदयू किसी अन्य दल (विशेषकर भाजपा) में विलीन न हो जाए।

सुरक्षित निकासः राज्यसभा जाकर उन्होंने खुद को राष्ट्रीय राजनीति के 'मार्गदर्शक' की भूमिका में स्थापित कर लिया है, जहाँ से वे पटना की कमान अपने भरोसेमंद उत्तराधिकारी के माध्यम से संभाल सकेंगे।

4.**विरासत को बचाने की जंगः** कुल मिलाकर, नीतीश कुमार का यह कदम एक रणनीतिक वापसी'(Strategic Retreat) है। उन्होंने सत्ता की कुर्सी भाजपा के सम्राट चौधरीको सौंपकर गठबंधन धर्म निभाया है, लेकिन पार्टी की कमान अपने परिवार के पास सुरक्षित रखकर यह स्पष्ट कर दिया है कि बिहार की राजनीति में 'नीतीश ब्रांड' अभी खत्म नहीं हुआ है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या निशांत कुमार, नीतीश के उस 'सोशल इंजीनियरिंग' के मॉडल को बचाए रख पाएंगे, जिसे उनके पिता ने दो दशकों की मेहनत से खड़ा किया था .

लेखक **चंडीगढ़ के एक प्रतिष्ठित सामाजिक वैज्ञानिक हैं। वे पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से संबद्ध एक संस्थान में अध्यापन कार्य करते हैं।"**

भक्ति नहीं है हिन्दू युवा शक्ति को ढोल मंजीरा नचैया बनाने का खेल!

मनोज कुमार अग्रवाल

अभी दो दिन पहले वृंदावन में यमुना जी में स्टीमर पलटने से हुए हादसे में महिलाओं बच्चों समेत करीब डेढ़ दर्जन जीवन अकाल मौत का शिकार हो गए। वहीं इस हादसे के एक दिन बाद ही वृंदावन में ही एक कथावाचक मृदुल कृष्ण शास्त्री और श्रद्धालुओं की कार भिड़ंत के बाद रोडरेज मारपीट की वारदात भी चर्चा का बिंदु बनी है। आज इन दोनों हादसा और वारदात तथा धर्म नगरी में फैले अनाचार कदाचार दुर्व्यवहार और धर्म के नाम पर चल रही दुकान का सटीक विश्लेषण करने की जरूरत है । सबसे पहले वृंदावन की नाव दुर्घटना का संदर्भ लें किस तरह लुधियाना से आए श्रद्धालुओं के परिवार जरा सी लापरवाही और प्रशासन की नाकामी के चलते अपना जीवन दे गए। आपको पता हो कि मथुरा के वृंदावन में यमुना में हुए नाव हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया है. हादसे के तीन दिन बाद भी रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है, जहां 13 लोगों की मौत हो चुकी है. वहीं 3 लोग अब भी लापता हैं. सेना, एनडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की बड़ी टीम लगातार सर्च ऑपरेशन में जुटी है. वृंदावन में एक नाव हादसे ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं. वहीं कुछ परिवार अब भी अपने अपनों के मिलने की आस में नदी किनारे टकटकी लगाए खड़े हैं. हादसा शुक्रवार को हुआ, जब श्रद्धालुओं से भरी एक मोटर बोट देवरहा बाबा के दर्शन के लिए जा रही थी. किसे पता था कि यह सफर उनकी जिंदगी का आखिरी सफर साबित होगा. इस हादसे में मरने वाले अधिकांश युवक युवती और बच्चे शामिल हैं। इस हादसे में मृत डिंकी बीए फाइनल ईयर की छात्रा थी, जिसके सपने अभी अधूरे ही रह गए. वहीं ऋषभ शर्मा 12वीं पास था और अपने पिता के काम में हाथ बंटाता था. दोनों अपने परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर निकले थे, लेकिन यह यात्रा कभी खत्म न होने वाले दर्द में बदल गई. युवा शक्ति को पुरूषार्थी योगी पराक्रमी चरित्रवान नैतिकता और सदाचार का कठोर जीवन अभ्यास करने वाला साहसी निडर धर्म रक्षक देश भक्त बनने की प्रेरणा दें सिर्फ ढोलक मंजीरे नृत्य से मनोरंजन से पर्यटन और कुछ फर्जी बाबाओं गुरू घंटालो की जेब भरने का व्यवसाय चल रहा है और युवा पीढ़ी का धर्म और भक्ति की गलत व्याख्या कर धर्मभीरू परावलंबी कृतध्न और चमत्कार की उम्मीद में जीवन को तबाह बर्बाद करने की ओर धकेलने की धृष्टता अक्षम्य अपराध है।

मेष राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। व्यापार में साझेदारी से लाभ हो सकता है। माता-पिता के साथ रिश्ते मधुर होंगे। जिससे आपके रिश्तों में मधुरता बरकरार रहेगी। आपको जीवनसाथी से पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। संतान पक्ष से खुशखबरी आपको मिल सकती है। आज आपकी सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आप चीज़ों को बेहतर ढंग से समझने की कोशिश करेंगे। साथ ही गोपनीय बात आपको पता चल सकती है।

वृष राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। आपका आर्थिक पक्ष काफी मजबूत रहेगा। पर्यटन से जुड़े लोगों को धन लाभ होगा। आप खुद को उर्जावान महसूस करेंगे। परिवार में सदस्यों के साथ रिश्ते में सुधार होगा।आप खुद को किसी रचनात्मक काम में लगाएंगे।

मिथुन राशिः आज आपका दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। खेल कूद से जुड़े खिलाड़ियों को किसी बड़े टूर्नामेंट हिस्सा लेने का अवसर मिलेगा। आज के दिन यदि आप निर्णय धैर्य पूर्वक चिंतन करके करेंगे तो सफल अवश्य ही होंगे। आज किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आपको बचना चाहिए। आज एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आपके सारे जरूरी कामकाज पूरे हो जायेंगे। आज पैसे के लेन - देन संबंधी मामले में लोगों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचें। आज किसी को पैसा उधार देने में पहले सोच-विचार करना बेहतर रहेगा। आज करीबी व्यक्ति आपको धोखा देने की कोशिश कर सकता है। आज कारोबार में व्यस्तता और दौड़ भाग से कुछ राहत मिलेगी और नई गतिविधियों की तरफ आप ध्यान दे पाएंगे।

सिंह राशिः आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप अपने जीवन में कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे। पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान आज निकल सकता है, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। उधार दिया हुआ पैसा अचानक ही वापस मिलेगा। सरकारी सेवारत व्यक्तियों को यात्रा करनी पड़ सकती है। आज पारिवारिक वातावरण खुशनुमा और सौहार्दपूर्ण रहेगा।

कन्या राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए आज आपको नये अवसर मिलेंगे। कामकाज में सफलता मिलेगी। दोस्तों से फायदा मिलने की उम्मीद है। जीवन में कार्य योजनाओं को कार्यान्वित करने भाई-बहनों से पूरा-पूरा सहयोग प्राप्त होगा। बहुत दिनों से रुके हुए कार्य आज आज पूरे होंगे। घर का माहौल आज खुशनुमा रहेगा। इस राशि के छात्रों का आज पढ़ाई के प्रति रुझान बना रहेगा।

तुला राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज आपका ध्यान अपने कार्य को पूरा करने में रहेगा और ऑफिस में किसी काम को लेकर सीनीयर्स से गहन रूप से विचार-विमर्श करना पड़ेगा। इस राशि के छात्रों का दोस्तों के साथ मेल-जोल बढ़ेगा आपकी दोस्ती और भी मजबूत होगी।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज जो भी काम आप शुरू करेंगे उसे समय से पूरा कर लेंगे। आपकी प्रबल इच्छा शक्ति आपके लक्ष्य प्राप्ति में सहायता कर सकती है। लेन-देन के लिए आज का दिन अच्छा है। आज अपनी योजनाओं और गतिविधियों को सीक्रेट रखें। अनुभवी लोगों का सहयोग और मार्गदर्शन आपके लिए सहायक रहेगा।

धनु राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। इस राशि के लोगों को कारोबार बढ़ाने के लिए घर के वरिष्ठ लोगों से सलाह लेना निकट भविष्य बहुत कारगर साबित होगा। पैसों के संबंध में अच्छी खबर मिलेगी, कामकाज से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। आपके सोचे हुए सारे काम आज समय से पूरे होंगे। किसी सामाजिक समारोह में आपकी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है, जो आपके लिए बहुत खास साबित होगा।

मकर राशिः आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आप परिवार वालों के साथ किसी खूबसूरत जगह का ट्रिप प्लान कर सकते हैं। आज बहुत बिजी शेड्यूल होने के बावजूद आप अपने जीवनसाथी के लिए समय निकलेंगे साथ में कुछ अच्छा वक्त बिताएंगे।

कुंभ राशिःआज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। किस्मत का पूरा-पूरा सहयोग आज आपको मिलेगा। कारोबारियों को लाभ होगा। छात्रों के लिए आज का दिन बढ़िया है। करियर में बड़ी सफलता हासिल होगी। अगर आप किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह आज पूरा हो जाएगा।

मीन राशिःआज आपका दिन ठीक रहेगा। आपके मन में किसी बात को लेकर उत्साह रहेगा। कार्यक्षेत्र में अचानक काम का दबाव बढ़ सकता है। काम पूरा करने के लिए शायद आपको पर्याप्त समय न मिल पाये। परेशान होने के बजाय धैर्य से काम करें सफलता अवश्य मिलेगी। वहीं किसी कार्य में कुछ लोग आपकी मदद करेंगे।

बिहार में संभावनाएं विकास कीः अब सत्ता सम्राट की

ललित गर्ग

बिहार की राजनीति लंबे समय से बदलाव, प्रयोग और नेतृत्व के उतार-चढ़ाव का साक्षी रही है। ऐसे परिदृश्य में जब लंबे इंतजार और जटिल कूटनीतिक समीकरणों के बाद पहली बार भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में शासन स्थापित होने की स्थिति बनती है और सम्राट चौधरी जैसे नेता मुख्यमंत्री के रूप में उभरते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि एक संभावित राजनीतिक और प्रशासनिक परिवर्तन का संकेत भी है। यह क्षण बिहार के लिए एक नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है, जहां अपेक्षाएं केवल शासन परिवर्तन की नहीं, बल्कि शासन की गुणवत्ता, दृष्टि और परिणामों की भी हैं। नये मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी के सामने न सिर्फ बिहार की जनता में एक कुशल प्रशासक की छाप छोड़ने की चुनौती है, बल्कि पार्टी की अपेक्षाओं एवं नीतीश कुमार द्वारा खींची रेखाओं से आगे निकलने के संघर्ष में भी उन्हें खरा उतरना होगा। सम्राट को उससे आगे ऐसा कुछ करना होगा, ताकि भाजपा उसके आधार पर भविष्य की दावेदारी पेश कर सके एवं अपने बल पर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की पात्रता विकसित कर सके। बिहार में भाजपा का एक नया अध्याय शुरु हो रहा है, सम्राट के भरोसे से।

सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री के रूप में चयन कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। वे कोई अप्रत्याशित या अपरिचित चेहरा नहीं हैं। बिहार की राजनीति में सक्रिय रहते हुए, उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए और विभिन्न राजनीतिक धाराओं से गुजरते हुए उन्होंने राज्य की जटिलताओं को निकट से समझा है। उनकी राजनीतिक यात्रा उन्हें एक व्यावहारिक नेता के रूप में स्थापित करती है, जो केवल सिद्धांतों तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन की वास्तविकताओं से भी जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि उनके नेतृत्व से बिहार की जनता को एक ऐसे प्रशासन की उम्मीद है जो नीतिगत स्पष्टता के साथ-साथ क्रियान्वयन की क्षमता भी रखता हो। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि बिहार में नेतृत्व का मूल्यांकन केवल व्यक्ति के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी नीतियों, प्राथमिकताओं और परिणामों के आधार पर होता है। पिछले वर्षों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से सामने आई है कि शासन की सफलता का निर्धारण केवल मुख्यमंत्री के व्यक्तित्व से नहीं, बल्कि उस व्यापक नीति-ढांचे से होता है जो केंद्र और राज्य के बीच समन्वय स्थापित करता है। भारतीय राजनीति में यह एक नया आयाम है, जहां केंद्र सरकार की नीतियां राज्यों के विकास की दिशा को काफी हद तक प्रभावित करती हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों के उदाहरण इस बात को पुष्ट करते हैं कि अपेक्षाकृत कम चर्चित चेहरों के बावजूद विकास की गति तेज रह सकती है, यदि नीतिगत समर्थन और प्रशासनिक इच्छाशक्ति मजबूत हो। बिहार के संदर्भ में यह पहलू और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यह राज्य लंबे समय तक अवसंरचनात्मक पिछड़ेपन, बेरोजगारी, पलायन और सामाजिक विषमताओं से जूझता रहा है। ऐसे में सम्राट चौधरी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वे इन जटिल समस्याओं के समाधान के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करें। केवल राजनीतिक स्थिरता पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि उसे विकासात्मक स्थिरता में परिवर्तित करना होगा। सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत क्षेत्रों में निरंतर सुधार के साथ-साथ रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान देना होगा, ताकि बिहार के युवाओं को अपने ही राज्य में अवसर मिल सकें। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि बिहार के हालिया इतिहास में यदि किसी नेता ने प्रशासनिक सुधार और सुशासन की एक स्पष्ट छवि प्रस्तुत की है, तो वह नीतीश कुमार हैं। उन्होंने जिस समय सत्ता संभाली, उस समय बिहार 'जंगलराज' की छवि से जूझ रहा था। कानून-व्यवस्था की स्थिति दयनीय थी, अवसंरचना लगभग ध्वस्त थी और राज्य की छवि राष्ट्रीय स्तर पर नकारात्मक थी। ऐसे समय में नीतीश कुमार ने सड़क, बिजली और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार किए। विशेष रूप से बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए साइकिल योजना जैसी पहलें सामाजिक परिवर्तन का आधार बनीं। उन्होंने प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही को भी बढ़ाने का प्रयास किया, जिससे शासन के प्रति जनता का विश्वास पुनः स्थापित हुआ।

नीतीश कुमार का व्यक्तित्व एक संतुलित, संयमित और व्यावहारिक नेता के रूप में उभरता है। वे आक्रामक राजनीति के बजाय संवाद और सहमति की राजनीति के पक्षधर रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठाकर विकास के एजेंडे से जोड़ने का प्रयास किया। हालांकि समय के साथ उनकी राजनीतिक रणनीतियों और गठबंधनों में बदलाव ने उनकी छवि को कुछ हद तक प्रभावित भी किया, लेकिन उनके द्वारा स्थापित प्रशासनिक मानक आज भी बिहार के लिए एक संदर्भ बिंदु बने हुए हैं। सम्राट चौधरी के लिए यह एक बड़ी चुनौती और अवसर दोनों है कि वे इन स्थापित मानकों को न केवल बनाए रखें, बल्कि उन्हें और आगे बढ़ाएं। उन्हें यह समझना होगा कि बिहार की जनता अब केवल वादों से संतुष्ट नहीं होती, बल्कि परिणाम चाहती है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभी भी सुधार की व्यापक संभावनाएं हैं। सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता, उच्च शिक्षा के अवसर, अस्पतालों की स्थिति और चिकित्सकीय सुविधाओं का विस्तार ऐसे क्षेत्र हैं जहां ठोस कार्य की आवश्यकता है। इसके साथ ही भ्रष्टाचार एक ऐसी समस्या है जो किसी भी विकासात्मक प्रयास को कमजोर कर सकती है। यदि सम्राट चौधरी वास्तव में एक प्रभावी और जनोन्मुखी शासन स्थापित करना चाहते हैं, तो उन्हें प्रशासनिक स्तर पर भ्रष्टाचारमुक्त शासन, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। डिजिटल गवर्नेंस, ई-टेंडरिंग और निगरानी तंत्र को सशक्त बनाकर इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं। महिला सशक्तिकरण भी बिहार के विकास का एक महत्वपूर्ण आयाम है। पिछले वर्षों में इस दिशा में कुछ सकारात्मक पहलें हुई हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ाना राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए अनिवार्य है। यदि सम्राट चौधरी इस क्षेत्र में ठोस और नवाचारी कदम उठाते हैं, तो यह बिहार की प्रगति को एक नई दिशा दे सकता है। पलायन की समस्या भी बिहार के लिए एक स्थायी चुनौती रही है। लाखों लोग रोजगार की तलाश में अन्य राज्यों में जाते हैं, जिससे न केवल राज्य की श्रमशक्ति का क्षरण होता है, बल्कि सामाजिक संरचना पर भी प्रभाव पड़ता है। इस समस्या का समाधान केवल उद्योगों के विकास और स्थानीय रोजगार के अवसरों के सृजन से ही संभव है। कृषि आधारित उद्योग, लघु और मध्यम उद्योग तथा स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देकर इस दिशा में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। निश्चिततौर पर यह कहा जा सकता है कि बिहार आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां अतीत के अनुभव, वर्तमान की अपेक्षाएं और भविष्य की संभावनाएं एक साथ उपस्थित हैं। सम्राट चौधरी के नेतृत्व में यह राज्य किस दिशा में आगे बढ़ेगा, यह उनके निर्णयों, नीतियों और कार्यशैली पर निर्भर करेगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

23 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच से वापसी कर सकते हैं महेन्द्र सिंह धोनी

इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतार सकती है सीएसके

एजेंसी, मुम्बई

चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अब पिंडली में आये खिंचाव से उबर गये हैं और उनकी शीघ्र टीम में वापसी की संभावनाएं हैं। धोनी की कमी टीम को काफी महसूस हो रही है पर अब क्रिकेट प्रेमियों और प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। एक रिपोर्ट के अनुसार धोनी 23 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मैच से वापसी कर सकते हैं। धोनी को इस मैच में इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारा जा सकता है।

धोनी अभ्यास सत्र दौरान पिंडली में खिंचाव के कारण शुरुआती मैचों से बाहर हो गए थे। हालांकि, अब रिपोर्टों के मुताबिक 44 वर्षीय धोनी अब पूरी तरह से फिट होने के करीब हैं। धोनी के नहीं खेलने पर सीएसके का अब तक का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। टीम ने आईपीएल 2024 में पांच मुकाबले खेले हैं, जिनमें से तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा और दो में जीत मिली। शुरुआती तीन हार के बाद, ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली टीम ने पिछले दो घरेलू मैचों में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर अपनी लय हासिल कर ली है। हालांकि, मौजूदा अंक तालिका में सीएसके 10 टीमों में से आठवें स्थान पर है, ऐसे में टीम को धोनी की वापसी का बेसब्री से इंतजार है ताकि टीम और बेहतर प्रदर्शन कर सके।

अधिक बोझ न डालते हुए टीम धोनी को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान पर उतार सकती है, जिससे उनकी बल्लेबाजी का पूरा लाभ उठाया जा सके। धोनी के होने भर से ही टीम में उत्साह रहता है। इसके अलावा कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को भी वह जरुरी सलाह दे सकते हैं। धोनी के लिए मुंबई इंडियंस के खिलाफ वापसी करना एक विशेष क्षण होगा, क्योंकि इस टीम के खिलाफ उनका रिकॉर्ड हमेशा शानदार रहा है। उन्होंने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स और राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स के लिए मुंबई इंडियंस के खिलाफ कुल 44 मैच की 38 बल्लेबाजी पारियों में उन्होंने 772 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक भी शामिल हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 35.09 और स्ट्राइक रेट 130.62 रहा है।

पीएसएल को आईपीएल से बेहतर बताने के प्रयास में हंसी का पात्र बन रही पीसीबी

एजेंसी, लाहौर। भारत और पाकिस्तान के क्रिकेट प्रेमी इन दिनों अपनी-अपनी फ्रेंचाइजी लीग, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल), का आनंद उठा रहे हैं। वहीं पाकिस्तान में आईपीएल से पीएसएल की तुलना का जुनून छाया हुआ है और पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) पीएसएल को बेहतर बताने का प्रयास कर रहा है पर इससे वह हंसी का पात्र भी बना रहे हैं। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी अक्सर आईपीएल के ऊपर पीएसएल की श्रेष्ठता के दावे करते रहते हैं। उनका कोई भी बयान भारत या आईपीएल का जिक्र किए बिना शायद ही पूरा होता हो। हाल ही में, जब पाकिस्तान में तेल संकट के कारण पीएसएल के मैच खाली स्टेडियम में खेले जा रहे थे, और दर्शकों की अनुमति पर सवाल उठे, तब नकवी ने मीडिया से बातचीत में आईपीएल को लाने के प्रयास किये। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि जहां पीएसएल के मुकाबले पेट्रोल-डीजल की कमी के कारण खाली स्टेडियम में हो रहे हैं, वहीं आईपीएल के मैच दर्शकों की खचाखच भीड़ के सामने खेले जा रहे हैं।

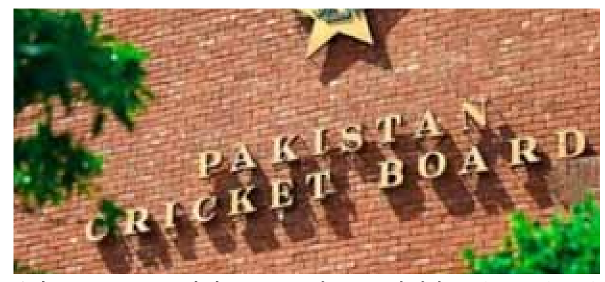

पाकिस्तान के पत्रकार और मीडियाकर्मी भी पीएसएल में खेल रहे विदेशी क्रिकेटरों से बार-बार आईपीएल और पीएसएल की तुलना को लेकर सवाल पूछते रहते हैं। उनकी तलाश इस बात की होती है कि कोई खिलाड़ी आईपीएल को लेकर कुछ नकारात्मक बोल दे, ताकि वे पीएसएल की श्रेष्ठता का ढोल पीट सकें। हाल ही में, एक पाकिस्तानी पत्रकार ने श्रीलंकाई क्रिकेटर कुसाल मेंडिस से पूछा कि क्या उन्हें पिछले साल आईपीएल (गुजरात टाइटन्स) के लिए पीएसएल छोड़ने का कोई मलाल है, खासकर सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए, जबकि अब पीएसएल उन्हें दोबारा मौका दे रहा है और आईपीएल ने उन्हें नहीं चुना। मेंडिस ने इस सवाल का कोई जवाब नहीं दिया।

ऑस्ट्रेलिया में हो सकता है आईपीएल का अगला सत्र

एजेंसी, मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) पिछले 18 साल में लगातार आगे बढ़ने के साथ ही दुनिया की सबसे लोकप्रिय टी20 लीग बन गई है। इसकी आपार लोकप्रियता और वैश्विक अपील को देखते हुए, भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी कई बार इसके मुकाबलों को विदेशी धरती पर भी आयोजित किया है, अरब अमीरात की धरती हो या दक्षिण अफ्रीका के मैदान पर जगह इसके मुकाबले सफल रहे हैं। अब अगले सत्र में आईपीएल के ऑस्ट्रेलिया में आयोजन की संभावनएं बन रही हैं। यह कदम लीग के वैश्विक होने की दिशा में एक और मजबूत कदम होगा।

एक रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया का एडिलेड ओवल स्टेडियम अगले साल मार्च में एक नियमित सत्र के आईपीएल मैच की मेजबानी करने की योजना बना रहा है। एडिलेड ओवल के चेयरमैन जेमी ब्रिग्स और दक्षिण ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट एसोसिएशन (एसएसीए) के प्रमुख विल रेयनर ने ये बात ही है। इस योजना पर कई हितधारकों के साथ प्रारंभिक चर्चाएँ हो चुकी हैं हालांकि बीसीसीआई से अभी तक औपचारिक रूप से संपर्क नहीं किया गया है। यह देखना होगा कि बीसीसीआई इस अनूठे प्रस्ताव पर क्या प्रतिक्रिया देता है।

वहीं आईपीएल के बदले में ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) भी चेन्नई में एक मैच आयोजित करने पर विचार कर सकती है।

युवा तेज़ गेंदबाज़ कार्तिक त्यागी ने की अच्छी वापसी

एजेंसी, कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के युवा तेज़ गेंदबाज़ कार्तिक त्यागी ने लंबे समय के बाद खेल के मैदान पर जबरददस्त वापसी की है। कार्तिक ने फिटनेस हासिल करने के लिए साल 2024 में खेल से ब्रेक ले लिया था। अब जबकि व 19 महीने के बाद मैदान पर लौटे हैं जो उनमें एक अलग से आत्मविश्वास दिख रहा है। वह केवल अपनी पुरानी गति वापस पा चुके हैं, बल्कि एक नए एक्शन के साथ ही परिपक्व होकर आये हैं। पिछले कई साल त्यागी के लिए परेशानी भरे रहे, जब 2021 से लगातार परेशान कर रही पिंडली की चोट से वह मैदान से दूर रहे। कई सुविधाओं पर नियमित पुनर्वास के बावजूद, चोट पहले की तस बनी हुई थी, और वे 2022 से 2024 के आईपीएल सीज़न के बीच केवल छह आईपीएल मैच ही खेल पाए। दिसंबर 2023 से मई 2024 के बीच, वे केवल 10 शीर्ष-स्तरीय मैचों में खेल पाए। इस गेदबाज ने कहा, मैं बड़े मैच नहीं खेल पा रहा था। मैं अभ्यास में भी ज़्यादा ओवर नहीं फेंक पा रहा था। 2024 आईपीएल से पहले, उन्होंने अपनी पिंडली की चोट का इलाज करने का संकल्प लिया था, लेकिन बदकिस्मती से उन्हें एक साइड स्ट्रेन भी हो गया।

सीएसके जीत के बाद भी कप्तान रुतुराज के फार्म को लेकर चिंतित

एजेंसी, चेन्नई

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) शुरुआती मैचों में हार के बाद लगातार दो मैच जीतकर जीत की राह पर लौटी है। सीएसके की जीत के बाद भी, कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के खराब प्रदर्शन से उसपर दबाव बना हुआ है। इस सीजन में उनका स्ट्राइक रेट बेहद खराब रहा है। इस मैच में भी वे तेजी से रन बनाने की कोशिश में 7 रन (6 गेंद) बनाकर आउट हो गए। आयुष म्हात्रे के साथ बल्लेबाजी क्रम बदलने की मांग जोर पकड़ रही है। इसके अलावा, गायकवाड़ ने एक आसान कैच भी गिरा दिया, हालांकि शुक्र है कि इससे सीएसके को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। वहीं सीएसके से मिली हार के साथ ही कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम का इस सत्र में हार का सिलसिला समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। इसी के साथ ही केकेआर अकेली ऐसी टीम बन गयी है जो अभी तक एक भी मैच नहीं जीती है। सीएसके के खिलाफ मैच में भी वह दबाव का सामना नहीं कर पायी और बिखर गयी। सीएसके टीम में अकील हुसैन और नूर अहमद के सामने केकेआर के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। सहायक गेंदबाजी कोच श्रीधरन श्रीराम ने नूर की सफलता में अकील की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि अकील ने नूर को सही लेंथ पर गेंद डालने की सलाह दी, जिसके बाद नूर लगभग अजेय हो गए थे। फिन एलन के लिए एक और निराशाजनक मैच रहा। उन्होंने सीजन की शुरुआत कुछ अच्छी पारियों के साथ की थी।

बिजनेस

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार को लगे मुनाफावसूली के झटके

- बिकवाली के बावजूद हरे निशान में सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी, नई दिल्ली

मजबूत ग्लोबल संकेतों के सपोर्ट से घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मजबूती बनी हुई है। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट भी आई। इसके बावजूद ये दोनों सूचकांक फिलहाल हरे निशान में ही कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.19 प्रतिशत और निफ्टी 0.21 प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। आज प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, इंफोसिस और लार्सन एंड टूब्रो के शेयर 2.73 प्रतिशत से लेकर 1.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, सन फार्मास्युटिकल्स, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, अपोलो हॉस्पिटल, कोल इंडिया और नेस्ले के शेयर 0.86 प्रतिशत से लेकर 0.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,746 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,866 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 880 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 10 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 566.32 अंक की मजबूती के साथ 78,677.56 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक उछल कर 78,730.32 अंक के स्तर तक पहुंचा। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से सेंसेक्स की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक गिर कर 78,241.63 अंक के स्तर तक आ गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 144.49 अंक की बढ़त के साथ 78,255.73 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 153.90 अंक उछल कर 24,385.20 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक उछल कर 24,400.95 अंक के स्तर तक आ गया।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,420 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज शुरुआती कारोबार के दौरान 11,800 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी आज फिजिकल गोल्ड 0.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,820.45 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गया है। इसी तरह चांदी भी आज 78.61 डॉलर प्रति औंस की कीमत पर बिक रहा है। घरेलू सर्राफा बाजार में कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,360 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,56,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,42,410 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी के भाव में आई तेजी के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,70,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

सर्राफा बाजार में चांदी में तेजी का रुख, 11 हजार रुपये से भी अधिक बढ़ी कीमत

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर चांदी ने आज एक बार फिर जबरदस्त छलांग लगाई है। शुरुआती कारोबार में इस चमकीली धातु की कीमत में 11 हजार रुपये प्रति किलोग्राम से भी अधिक की तेजी आई है। चांदी के भाव में आए उछाल के कारण देश के अलग अलग हिस्सों में चांदी आज 2,69,900 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 2,75,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है। दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 11,800 रुपये प्रति किलोग्राम उछल गई, जिसके कारण ये चमकीली धातु आज 2,70,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में चांदी 2,69,900 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 2,70,200 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। वहीं बेंगलुरु में चांदी 2,70,400 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 2,70,000 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। इसके अलावा हैदराबाद में चांदी 11,600 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी के साथ 2,74,800 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत आज भी चेन्नई में है, जहां ये चमकीली धातु आज 11,900 रुपये प्रति किलोग्राम महंगी होकर 2,75,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि पश्चिम एशिया में जंग थमने की उम्मीद से सोना और चांदी की कीमत को सपोर्ट मिला है। खासकर, डॉलर इंडेक्स में आई कमजोरी से निवेशकों का रुझान इन दोनों चमकीली धातुओं की ओर बढ़ा है। जियो पॉलिटिकल टेंशन के बीच घरेलू सर्राफा बाजार पिछले एक महीने की अवधि में चांदी की कीमत में 20 हजार रुपये प्रति किलग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। मयंक मोहन के अनुसार फिलहाल पश्चिम एशिया में जारी जंग की वजह से चांदी की इंडस्ट्रियल डिमांड में गिरावट आ गई है। इसलिए फिलहाल इस चमकीली धातु की कीमत मे जोरदार उछाल का रुख नहीं बन पा रहा है। लेकिन, पश्चिम एशिया में शांति का माहौल बनने के बाद औद्योगिक गतिविधियां तेज होने पर चांदी की मांग भी बढ़ जाएगी। ऐसा होने पर इस चमकीली धातु की कीमत में दोबार तेजी आने की उम्मीद बनी हुई है। हालांकि ये पूरी उम्मीद पश्चिम एशिया में जारी जंग के थमने पर ही निर्भर करेगी।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी चौतरफा तेजी का रुख

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में शांति समझौता होने की बढ़ती उम्मीद के बीच ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं एशियाई बाजार में आज खरीदारी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान में युद्ध खत्म होने के बहुत करीब है, कह कर पिछले सत्र के दौरान वॉल स्ट्रीट में जोश का माहौल बना दिया। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.80 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,022.95 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 376.93 अंक यानी 1.59 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,016.02 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 48,514.27 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के कारोबार के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,559.58 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.64 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,274.57 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,066.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज चौतरफा खरीदारी का माहौल बना हुआ है। एशिया के सभी प्रमुख नौ बाजार के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 143 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,392.50 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 251.39 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की बढ़त के साथ 36,973.53 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निक्केई इंडेक्स ने आज जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1,320.76 अंक यानी 2.27 प्रतिशत उछल कर 59,455 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 115.82 अंक यानी 1.90 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,207.21 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में भी आज जबरदस्त तेजी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 414.68 अंक यानी 1.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ 26,362 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की छलांग लगा कर 4,048.64 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.18 प्रतिशत उछल कर 7,637.07 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,507.67 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 5,023.22 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

एलआईसी ने माईएलआईसी ऐप और सुपर सेल्स साथी ऐप किया लॉन्च

एजेंसी, मुंबई

सार्वजनिक क्षेत्र की जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने बुधवार को माईएलआईसी और सुपर सेल्स साथी ऐप लॉन्च किए हैं। इससे अब पॉलिसी मैनेजमेंट, प्रीमियम पेमेंट और अन्य सेवाएं मोबाइल पर आसान हो जाएंगी। कंपनी ने कहा कि माईएलआईसी ऐप ग्राहकों के लिए और सुपर सेल्स साथी ऐप मध्यस्थों यानी बिक्री बिचौलियों के लिए बनाया गया है। एलआईसी ने बताया कि इससे समय की बचत होगी, काम पहले से ज्यादा तेज और आसान होगा। कंपनी के मुताबिक माईएलआईसी ऐप अगली पीढ़ी का एक मोबाइल एप्लिकेशन है, जिसे इस अनुभव को फिर से परिभाषित करने के लिए बनाया गया है कि पॉलिसीधारक अपने जीवन बीमा पोर्टफोलियो को कैसे प्रबंधित करेंगे। इसके अलावा सुपर सेल्स साथी ऐप एलआईसी के मार्केटिंग कर्मियों के लिए अगली पीढ़ी का मोबाइल एप्लिकेशन है। इन ऐप्स को 'उपयोगकर्ता-प्रथम' दर्शन के साथ डिजाइन किया गया है, जो एक सहज, बुद्धिमान और व्यक्तिगत 360 डिग्री अनुभव प्रदान करने के लिए सहज डिजाइन, शक्तिशाली सुविधाओं और अत्याधुनिक तकनीक को एक साथ लाता है।

तापसी पन्नू की 'अस्सी अब ओटीटी पर होने जा रही रिलीज, 17 अप्रैल से जी5 पर स्ट्रिमिंग के लिए अवेलेबल होगी

ता तापसी पन्नू की अस्सी 20 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई थी, अपनी शानदार कहानी और सोशल रेलिवेंट सब्जेक्ट के लिए इस कोर्टरूम ड्रामा को क्रिटिक्स से काफी तारीफ मिली थी हालांकि ये बॉक्स ऑफिस पर खास परफॉर्म नहीं कर पाई. लेकिन फैंस इस फिल्म की ओटीटी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे. फाइनली अनुभव सिन्हा द्वारा निर्देशित ये फिल्म अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करने जा रही है. चलिए यहां जानते हैं इसे कब और कहां देख सकेंगे. जो लोग सिनेमाघरों में अस्सी को देखने से चूक गए, वे अब इसे अपने घर पर आराम से देख सकते हैं. दरअसल इसकी ओटीटी रिलीज की डेट आ गई है. बता दें कि 'अस्सी 17 अप्रैल, 2026 से जी5 पर स्ट्रिमिंग के लिए अवेलेबल होगी. इस फिल्म की कहानी गौरव सोलंकी और अनुभव सिन्हा ने लिखी है और इसका निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और अनुभव सिन्हा ने किया है. सैकनिल्क के आंकड़ो के मुताबिक अस्सी ने भारत में 10.47 करोड़ का नेट लाइफटाइम कलेक्शन किया है. वहीं वर्ल्डवाइड ये फिल्म 14.93 करोड़ कमा पाई थी. खबरों के मुताबिक इस फिल्म को 40 करोड़ के बजट में बनाया गया था और ये अपनी आधी लागत भी वसूल नहीं कर पाई. इसलिए ये बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही है.

अस्सी दिल्ली की एक स्कूल टीचर परिमा की कहानी है, जिसका पांच लोग गैंगरेप करते हैं यह फिल्म एक बेहद दोषपूर्ण लीगल और सोशल सिस्टम के खिलाफ न्याय की लड़ाई में एक महिला के दर्द भरे संघर्ष को दिखाती है. जिसका केस तापसी पन्नू स्टारर किरदार वकील रावी लड़ती है. फिल्म में कानी कुसृति परिमा के रूप में, रेवती वसुधा के रूप में, मनोज पाहवा दीपराज के रूप में, कुमुद मिश्रा कार्तिक के रूप में, मोहम्मद जीशान अय्यूब विनय के रूप में और सत्यजीत शर्मा अपोजिशन के वकील के रूप में नजर आते हैं.

इंफ्लुएंसर रणवीर अल्लाहबादिया कर रहे जूही भट्ट को डेट

हाल ही में लोकप्रिय इंफ्लुएंसर रणवीर अल्लाहबादिया अपनी नई गर्लफ्रेंड जूही भट्ट के साथ आरसीबी वर्सेज मुंबई इंडियंस का मैच देखने पहुंचे, जहां उनके रिश्ते का सार्वजनिक तौर पर खुलासा हुआ। आईपीएल मैच के दौरान रणवीर अल्लाहबादिया अपनी गर्लफ्रेंड जूही भट्ट के साथ ट्विनिंग करते हुए दिखाई दिए।

उन्होंने कैमरा के सामने अपने रिश्ते को कंफर्म करते हुए बताया कि वह जूही को डेट कर रहे हैं। इस मौके पर रणवीर ने डेनिम जींस और व्हाइट टी-शर्ट पहन रखी थी, जबकि जूही भी व्हाइट टी-शर्ट और डेनिम में नजर आईं, जिससे उनकी जोड़ी बेहद प्यारी लग रही थी। स्टेडियम के बाहर जब एक फैन रणवीर के साथ फोटो लेने की कोशिश कर रहा था, तो उन्होंने बताया कि वह अपनी गर्लफ्रेंड के साथ आए हैं, जिससे यह खबर तेजी से फैली। अब सोशल मीडिया पर रणवीर अल्लाहबादिया की नई गर्लफ्रेंड जूही भट्ट को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। लोग जानना चाहते हैं कि जूही कौन हैं और क्या करती हैं। जूही भट्ट भी एक उभरती हुई इंफ्लुएंसर हैं। वह 29 साल की हैं और सोशल मीडिया पर उनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। उनके इंस्टाग्राम पर 4.5 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं और वह उत्तराखंड के देहरादून की रहने वाली हैं। जूही मुख्य रूप से फैशन और लाइफस्टाइल से जुड़े कंटेंट बनाती हैं। उनके इंस्टाग्राम पर उनके क्रिएटिव वर्क की झलक दिखती है, जिसमें लाइफस्टाइल, स्केच और फैशन से जुड़े वीडियो शामिल हैं, जिन पर लाखों में व्यूज आते हैं। बात करें रणवीर अल्लाहबादिया की, तो पिछले साल तक वह निक्की शर्मा को डेट कर रहे थे। लेकिन इंडिया गॉट लेटेंट विवाद के बढ़ने के साथ ही निक्की और रणवीर का ब्रेकअप हो गया।

जन नायकन के लीक होने पर माधवन ने जताई चिंता

म मणिरत्नम की तमिल फिल्म से अपने करियर की शुरुआत करने वाले आर. माधवन भले ही आज हिंदी सिनेमा में एक बड़ा नाम कमा चुके हों, लेकिन उनकी जड़ें आज भी दक्षिण सिनेमा से गहराई से जुड़ी हुई हैं। अब उन्होंने जन नायकन के रिलीज से पहले लीक होने और लगातार पायरेसी का शिकार हो रही फिल्मों को लेकर अपना दुख व्यक्त किया है। माधवन ने सुपरस्टार सूर्या शिवकुमार के ट्वीट को रीट्वीट करते हुए उनके विचारों का समर्थन किया है। आर. माधवन ने अपने ट्वीट में लिखा, मैं पूरी तरह सहमत हूं और यह बेहद दुखद और चिंताजनक है। लोग इस तरह की हरकतें करके कैसे बच निकलते हैं? कृपया इस फिल्म में शामिल सभी लोगों की मेहनत का सम्मान करें। कृपया इसे पायरेटेड प्लेटफॉर्म पर देखने से बचें। इससे पहले, सूर्या शिवकुमार ने भी जन नायकन के समर्थन में ट्वीट करते हुए लोगों से ऐसी वीडियो को न तो देखने और न ही शेयर करने की अपील की थी। उन्होंने लिखा था, दिल दहला देने वाला और अन्यायपूर्ण। पूरी टीम का जुनून इस तरह बर्बाद हो गया। मैं आप सभी से ईमानदारी से निवेदन करता हूं, कृपया इस फिल्म को न देखें, न शेयर करें और न ही यहां इस पर चर्चा करें। उनके काम का सम्मान करें। मैं अपने दोस्तों के साथ खड़ा हूं और इस कृत्य की निंदा करता हूं। यहां यह भी बता दें कि थलापति विजय की जन नायकन लंबे समय से रिलीज का इंतजार कर रही है क्योंकि सेंसर बोर्ड ने कुछ कारणों से फिल्म को सर्टिफिकेट नहीं दिया है। हालांकि, सेंसर बोर्ड ने फिल्म के सीन्स के लीक होने को अफवाह बताया है। वहीं, दक्षिण सिनेमा जगत एकजुट होकर फिल्म मेकर्स के समर्थन में खड़ा है और फिल्म एसोसिएशन से इस गैरकानूनी कार्य में लिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग कर रहा है। यह घटना एक बार फिर फिल्म उद्योग के लिए पायरेसी की गंभीर चुनौती को उजागर करती है। मालूम हो कि साउथ सुपरस्टार थलापति विजय की बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म जन नायकन रिलीज से पहले ही विवादों के घेरे में आ गई है। खबर है कि फिल्म का एक धमाकेदार एंट्री सीन इंटरनेट पर लीक हो गया है, जिससे मेकर्स और फैंस दोनों काफी परेशान हैं। दक्षिण भारतीय सिनेमा के कई बड़े सितारों ने इस पायरेसी की कड़ी निंदा की है।

बॉक्स ऑफिस पर अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर की डकैत रफ्तार धीमी

मृणाल ठाकुर और अदिवी शेष स्टारर मच अवेटेड फिल्म डकैतः ए लव स्टोरी 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस रोमांटिक एक्शन थ्रिलर को क्रिटिक्स और ऑडियंस से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला. फिर भी ये बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक परफॉर्म कर रही है. ठीक शुरुआत के बाद, फिल्म ने पहले वीकेंड भी अपनी रफ्तार बरकरार रखी हालांकि ये डबल डिजिट में कमाई नहीं कर पाई है. चलिए यहां जानते हैं डकैत ने रिलीज के चौथे दिन यानी पहले मंडे टेस्ट में कैसा परफॉर्म किया है. बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत के बाद, अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर स्टारर फिल्म डकैत से वीकेंड में और भी रफ्तार पकड़ने की उम्मीद थी. शनिवार को फिल्म ने थोड़ी तेजी भी दिखाई. फिर रविवार को एक्स्ट्रा शो दिखाए जाने के बावजूद, फिल्म की कमाई में मंदी देखी गई. वहीं चौथे दिन यानी सोमवार को भी इसके कलेक्शन में काफी गिरावट देखी जा रही है. डकैत की कमाई की बात करें तो सैकनिल्क के मुताबिक इस फिल्म ने 6.55 करोड़ के कलेक्शन के साथ ओपनिंग की थी. इसके बाद दूसरे दिन इस फिल्म ने 6.85 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं तीसरे दिन की कमाई 6.40 करोड़ रुपये रही. अब सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक डकैत ने रिलीज के चौथे दिन यानी सोमवार को 2.70 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ डकैत की भारत में चार दिनों की नेट कमाई अब 22.50 करोड़ रुपये हो गई है. डकैत का बजट 70 करोड़ रुपये बताया जा रहा है और इस फिल्म ने अपनी लागत के मुकाबले चार दिन में 22.50 करोड़ कमाए हैं. यानी ये फिल्म अपना आधा बजट भी वसूल नहीं पाई है. अगर यही हाल रहा तो इस फिल्म पर फ्लॉप होने का खतरा मंडराता हुआ दिख रहा है. वैसे भी इस शुक्रवार को प्रियदर्शन और अक्षय कुमार की जोड़ी की फिल्म भूत बंगला रिलीज हो रही है. इस फिल्म के आने से डकैतकी कमाई पर और असर पड़ेगा. देखने वाली बात होगी कि डकैत फ्राइडे तक कितनी कमाई कर पाती है. डकैत निर्देशक शेनेल देव की पहली फिल्म है. इसकी कहानी दो एक्स लवर्स पर बेस्ड है जिन्हें कई डकैतियों को अंजाम देने के लिए मजबूरन फिर से एक साथ आना पड़ता है. फिल्म का निर्माण अन्नपूर्णा स्टूडियोज ने किया है और इसमें प्रकाश राज और अनुराग कश्यप भी अहम भूमिकाओं में हैं. सुनील, ज़ैन मैरी खान और अतुल कुलकर्णी ने फिल्म में सपोर्टिंग रोल प्ले किया है.

होंठों की देखभाल करते समय न करें ये 5 गलतियां, होंठ लगेंगे खूबसूरत

हों होंठों की देखभाल करना बहुत जरूरी है क्योंकि ये चेहरे की सुंदरता में अहम भूमिका निभाते हैं। हालांकि, कई लोग होंठों की देखभाल करते समय अनजाने में कुछ गलतियां कर देते हैं, जिससे उनके होंठ स्वस्थ नहीं रह पाते। इस लेख में हम कुछ ऐसी ही गलतियों के बारे में जानेंगे, जिन्हें हमें करने से बचना चाहिए ताकि हमारे होंठ हमेशा सुंदर और स्वस्थ रहें।

सही लिप बाम का चयन न करना : लिप बाम का चयन करते समय कई लोग सिर्फ खुशबू या रंग देखकर ही चुन लेते हैं, जो कि गलत है। आपको ऐसा लिप बाम चुनना चाहिए, जिसमें प्राकृतिक तत्व हों जैसे कि नारियल का तेल, बादाम का तेल या शिया बटर। ये तत्व आपके होंठों को गहराई से पोषण देते हैं और उन्हें सूखने से बचाते हैं। इसके अलावा सूरज की किरणों से बचाने वाला लिप बाम भी जरूरी है ताकि होंठ सूरज की किरणों से सुरक्षित रहें।

पानी की कमी पर ध्यान न देना:पानी की कमी से हमारा शरीर ही नहीं बल्कि हमारे होंठ भी प्रभावित होते हैं। जब शरीर में पानी की कमी होती है तो होंठ सूखे और फटे हुए दिखते हैं। इसलिए दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। इसके अलावा तरबूज, खीरा जैसे पानी से भरपूर फलों का सेवन भी करें। इससे न केवल आपकी सेहत बेहतर होगी बल्कि आपके होंठ भी स्वस्थ रहेंगे।

रात को लिप बाम न लगाना : रात को सोने से पहले अगर आप अपने होंठों पर लिप बाम लगाते हैं तो यह आपकी आदत बननी चाहिए। सोते समय आपके होंठ लंबे समय तक लिप बाम के संपर्क में रहते हैं, जिससे वे सुबह उठकर ताजगी महसूस करते हैं और फटे नहीं दिखते। इसलिए रात को सोने से पहले हमेशा अपने होंठों पर लिप बाम लगाएं ताकि वे नमी बनाए रखें और स्वस्थ रहें। **स्क्रब न करना** : जैसे चेहरे की मृत त्वचा हटाना जरूरी होता है, वैसे ही होंठों की मृत त्वचा हटाना भी जरूरी होता है। अगर आप ऐसा नहीं करते तो होंठ रूखे और फटे दिखते हैं। आप घर पर ही शक्कर और शहद का मिश्रण बनाकर इसका उपयोग कर सकते हैं। इससे आपके होंठ मुलायम होंगे और उनकी प्राकृतिक रंगत भी वापस आएगी। नियमित रूप से यह प्रक्रिया करने से आपके होंठ स्वस्थ और आकर्षक दिखेंगे।

बिना सुरक्षा के धूप में निकलना : धूप में बिना लिप बाम लगाए बाहर निकलना भी एक बड़ी गलती हो सकती है क्योंकि सूरज की किरणें आपके होंठों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए जब भी आप घर से बाहर जाएं तो अपने होंठों पर सूरज से बचाने वाला लिप बाम जरूर लगाएं ताकि वे सूरज की किरणों से सुरक्षित रहें। इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर आप अपने होंठों को हमेशा सुंदर और स्वस्थ रख सकते हैं।

उम्र 40 साल, अब तक क्यों कुंवारी हैं शक्ति मोहन? बताया क्यों नहीं की शादी

डां डांस इंडिया डांस 2 की विनर बनने के बाद शक्ति मोहन ने बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई. वो एक पॉपुलर कोरियोग्राफर होने के साथ-साथ डांस स्टूडियो की भी मालकिन हैं. हाल ही में शक्ति को सिदार्थ कन्नन के पॉडकास्ट में देखा गया. इस दौरान उन्होंने अपनी शादी और फैमिली प्लानिंग को लेकर खुलकर बात की. शक्ति मोहन ने इस पॉडकास्ट में बताया कि आखिर 40 की उम्र में भी वो कुंवारी क्यों हैं. शक्ति ने कहा,बहुत से लोग मुझसे शादी के बारे में बहुत बार पूछते हैं. मेरे पिता ने कल ही मुझसे पूछा कि क्या मुझे कोई मिल गया है, मेरी मां चाहती हैं कि मैं किसी के साथ रहूं. वो मुझसे कहती हैं कि कम से कम एक बॉयफ्रेंड तो बना लो. शक्ति मोहन ने अपनी बातों को आगे बढ़ाते हुए कहा,मुझे अपने काम और स्टूडियो चलाने में बहुत मजा आ रहा है. मुझे ऐसा नहीं लगता कि कुछ कमी है. ये समाज की सोच है कि जीवन में किसी का होना जरूरी है. उन्होंने आगे कहा,अगर मैं इस तरह खुश हूं तो समस्या क्या है. अगर मुझे कोई अच्छा साथी मिल जाए तो मैं मना नहीं करूंगी, लेकिन जब कोई है ही नहीं, तो मुझे इस बारे में क्यों सोचना चाहिए.इस पॉडकास्ट में शक्ति मोहन ने कहा कि वो वो सिंगल हैं. साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि उनके अंदर मदरहुड की फीलिंग भी नहीं है और कभी भी उनकी मां बनने की इच्छा नहीं हुई.शक्ति ने बताया कि दो बार उनका दिल टूट चुका था, उसके बाद उन्हें जब धोखा मिला तो उन्हें काफी परेशानी हुई. शक्ति मोहन ने बताया,मुझे एक रिश्ते में धोखा मिला. मैंने तुरंत रिश्ता तोड़ दिया.।

मुंह की बदबू से परेशान हैं? इन 5 तरीकों से करें दूर

मुंह की बदबू एक आम समस्या है, जिससे हर कोई कभी न कभी जूझता है। यह समस्या न केवल आत्मविश्वास को कम करती है, बल्कि सामाजिक जीवन में भी रुकावट डाल सकती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी टिप्स देंगे, जिनसे आप अपने मुंह की बदबू को दूर कर सकते हैं और ताजगी महसूस कर सकते हैं। इन उपायों को अपनाकर आप अपने मुंह की देखभाल कर सकते हैं।

रोजाना ब्रश करें: रोजाना दो बार ब्रश करना बहुत जरूरी है। सुबह उठते ही और रात को सोने से पहले ब्रश करें ताकि आपके दांत साफ रहें और कीटाणु न पनप सकें। सही तरीके से ब्रश करने से मुंह की बदबू भी दूर होती है। इसके लिए नरम बालों वाले ब्रश का उपयोग करें और फ्लोराइड वाला पेस्ट इस्तेमाल करें।

ब्रश करते समय हल्के हाथों से दांतों के हर कोने को अच्छे से साफ करें।

जीभ को साफ रखें : जीभ पर भी कीटाणु जमा होते हैं, जो मुंह की बदबू का कारण बन सकते हैं। इसलिए रोजाना ब्रश करने के साथ-साथ अपनी जीभ को भी साफ करें। इसके लिए आप जीभ साफ करने वाले उपकरण का उपयोग कर सकते हैं या फिर नरम ब्रश से हल्के हाथों से रगड़ सकते हैं। जीभ को साफ रखने से आपके मुंह की ताजगी बनी रहती है और आप बेझिझक बात कर सकते हैं बिना किसी चिंता के।

पानी पिएं : दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। इससे आपके शरीर में नमी बनी रहती है और लार बनने में मदद मिलती है, जो कीटाणु को खत्म करने में सहायक होती है। इसके अलावा पानी पीने से आपके गले और मुंह की सफाई होती रहती है। अगर आप नियमित रूप से पानी पीते हैं तो मुंह की बदबू की समस्या कम हो जाती है और आपका मुंह ताजा बना रहता है।

च्युइंग गम चबाएं : बिना चीनी वाली च्युइंग गम चबाने से भी मुंह की बदबू दूर होती है। इससे लार बनने में मदद मिलती है, जो कीटाणु को खत्म करने में सहायक होती है। इसके अलावा च्युइंग गम चबाने से आपके मुंह की ताजगी बनी रहती है और आप बेझिझक बात कर सकते हैं। अगर आप नियमित रूप से च्युइंग गम चबाते हैं तो मुंह की बदबू की समस्या कम हो जाती है और आपका मुंह ताजा बना रहता है।

नियमित रूप से दांतों का निरीक्षण कराएं : हर छह महीने में दांतों का निरीक्षण करवाना जरूरी है ताकि किसी भी प्रकार की समस्या समय रहते पता लग सके और उसका इलाज हो सके। दांतों के डॉक्टर आपकी ओरल हाइजीन पर ध्यान देंगे और आपको सही सलाह देंगे जिससे आपकी मुंह की बदबू दूर हो सकेगी। इन सरल उपायों को अपनाकर आप अपने मुंह की देखभाल कर सकते हैं और ताजगी महसूस कर सकते हैं।

सोशल मीडिया पर धमाल मचा रहा पवन सिंह का गाना

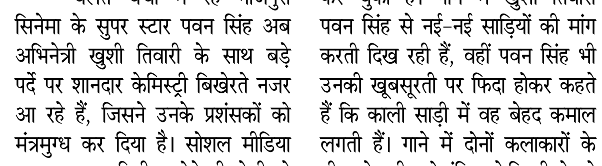

हा हाल ही में कुछ विवादों के चलते चर्चा में रहे भोजपुरी सिनेमा के सुपर स्टार पवन सिंह अब अभिनेत्री खुशी तिवारी के साथ बड़े पर्दे पर शानदार केमिस्ट्री बिखेरते नजर आ रहे हैं, जिसने उनके प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। सोशल मीडिया पर यह गाना रिलीज होते ही तेजी से वायरल हो रहा है और कुछ ही घंटों में 40 हजार से अधिक व्यूज हासिल कर चुका है। गाने में खुशी तिवारी पवन सिंह से नई-नई साड़ियों की मांग करती दिख रही हैं, वहीं पवन सिंह भी उनकी खूबसूरती पर फिदा होकर कहते हैं कि काली साड़ी में वह बेहद कमाल लगती हैं। गाने में दोनों कलाकारों के बीच बेहतरीन रोमांटिक केमिस्ट्री देखने को मिल रही है, जो दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। गाने को पवन सिंह ने अपनी दमदार आवाज के साथ सिंगर खुशी कक्कड़ के साथ मिलकर गाया है। आशुतोष तिवारी ने गाने के दिल छू लेने वाले बोल लिखे हैं, जबकि प्रियांशु सिंह ने संगीत दिया है। गाने का म्यूजिक इतना जोशीला और आकर्षक है कि इसे सुनने के बाद आपका भी मन झूमने को करेगा। पवन सिंह के लिए यह साल काफी व्यस्तता भरा रहा है। सड़िया ए जान से पहले उन्होंने साउथ की पैन-इंडिया फिल्म डकैतः एक प्रेम कथा में भी अपना शानदार प्रदर्शन दिखाया था।

Shah slams TMC for neglecting Gorkhas' long-pending demands

New Delhi, Agency: Union Home Minister Amit Shah on Wednesday launched a sharp attack on the ruling Trinamool Congress (TMC), accusing it of neglecting the welfare of the Gorkha community and engaging in political vendetta.

Addressing a series of public meetings, Shah said a future BJP government in the state would address long-pending grievances and withdraw what he termed "false cases" registered during the TMC and earlier Communist regimes.

He urged voters to support the BJP, appealing to them to press the party's "lotus" symbol on Electronic Voting Machines. Shah added that after the elections, action would be taken against those responsible for alleged political intimidation in the region.

Reiterating the party's commitment to the Gorkha community, he said the BJP would ensure justice for those facing what he described as unjustified legal cases. He claimed several Gorkha leaders had been burdened with multiple cases and promised their withdrawal under a BJP-led government.

Shah also criticised West Bengal Chief Minister Mamata Banerjee, alleging a lack of cooperation in resolving the Gorkha issue. He said the BJP would pursue a constitutional path to address the concerns if voted to power.

Outlining his vision for the Darjeeling region, Shah proposed developing it into an "adventure heritage hub" to boost tourism and economic activity. He also flagged concerns in the tea plantation sector, stating that workers continued to face low wages and lack of land ownership rights.

A year on & 3 months after FIR, UP cleric held in fake nikah, halala gang-rape case

New Delhi, Agency: A cleric has been arrested in the Amroha triple talaq and halala case nearly three months after the matter first came into focus, with the survivor alleging that he facilitated a Feb 2025 nikah using a fake document that led to her gang rape under the pretext of halala. The woman, who said she was forced into marriage at 15 and given instant triple talaq twice, alleged that the arrangement formed part of a wider pattern of sexual exploitation.

Media reported on Jan 23 that the case began as a complaint under the Muslim Women (Protection of Rights on Marriage) Act, 2019, or the triple talaq law, before expanding into an investigation involving Pocso Act, child marriage, coercion, rape and criminal conspiracy. The case now names eight accused, and the survivor has alleged that the arrangements for halala were planned in advance.

The accused, Maulana Nadeem, was arrested shortly after midnight on April 9, around 1am, and the survivor alleged he had used a "farzi", or fake, piece of paper to convince her that the marriage was valid. She said this was done to facilitate her sexual exploitation in the name of halala, a practice under which remarriage is claimed to be permitted only after a woman marries another man, the marriage is consummated, and it ends through a natural divorce.

She said she was forced into marriage at 15, given instant triple talaq twice, and compelled to undergo multiple such arrangements. In her account, Nadeem played a key role in one such episode by helping create the appearance of a lawful nikah that later enabled what she described as "gang rape under the false pretext of halala". "Maulana Nadeem was arrested around 1 am from the Nagli police station jurisdiction," Vikas Sahrawat told Media .

Vladimir Putin likely to take part in Brics summit in India

New Delhi, Agency: Russian President Vladimir Putin is likely to participate in the Brics summit being held in India in Sept, reported Russia's TASS news agency on Wednesday. The report quoted a Kremlin spokesperson as saying that while the dates for the summit have not been announced yet, the president would definitely attend the event. If it happens, it would be Putin's second visit to India in nine months. He had last visited India in Dec for the annual India-Russia summit. PM Narendra Modi is also likely to visit Moscow this year for the 2026 annual summit. Govt is also expecting participation by Chinese President Xi Jinping in the Brics summit.

India holds the presidency for Brics this year and will host the grouping's foreign ministers' meeting on May 14-15. India has been working to forge a consensus among the member-states for a joint statement on the war in the West Asia region. Iranian leaders, including President Masoud Pezeshkian, have pressed India to get Brics to express solidarity with Tehran. However, the presence of both Iran and the UAE in the group has prevented Brics from speaking in one voice over the ongoing conflict.

Russian foreign minister Sergey Lavrov will participate in the meeting. Chinese foreign minister Wang Yi is also expected to visit India for the meeting. As the relationship with China continues to improve steadily, Beijing has pledged support for India's Brics presidency. President Xi Jinping is also expected to visit India for the Brics summit.

33 years after ignominious exit, SC orders honourable farewell for former IAF pilot

New Delhi, Agency: Noting that it is the honour which is the most important thing for a defence personnel, Supreme Court on Wednesday directed that a septuagenarian former Indian Air Force pilot, who had to face an ignominious exit from the service 33 years back, be now given a farewell with honour as his dismissal was arbitrary and in violation of law.

After fighting a protracted legal battle over 33 years, the officer got his honour restored with SC holding his termination illegal and directed the Centre to grant him 50% of salary and allowances from 1993 till the date of his retirement from service and all promotional and pensionary benefits.

"Justice demands that the ignominy with which the appellant had to survive more than three decades is obliterated, the wrongful termination of his service be revoked and his honour restored... The order of dismissal dated Sept 22, 1993 stands set aside.

Appellant having since crossed the age of superannuation, he cannot be reinstated in service. In law, however, he is entitled to claim all consequential service benefits which would have accrued to him, had he not been fastened with such illegal order of dismissal," a bench of Justices Dipankar Datta and K V Viswanathan said.

Omar refuses to cut 'Tricolour' ribbon, BJP says well done

Srinagar, Agency: Jammu and Kashmir CM Omar Abdullah on Wednesday refused to cut the ribbon at an event in Srinagar as it bore colours of the national flag. "Yeh nahin kaat sakte (We cannot cut this)," he said, turning to deputy CM Surinder Choudhary, who agreed.

Omar was inaugurating the handicraft department's 'Know Your Artisans' event at Kashmir Haat. When he saw the Tricolour on the ribbon, he suggested it could be untied instead.

The CM and the deputy CM handed the ribbon back to the organisers after untying it and asked them to keep it respectfully. The BJP appreciated Omar's refusal to cut the ribbon. The party's J&K spokesperson Altaf Thakur has sought an inquiry into the incident and strict action against those responsible. He said, "Using the national flag as a ribbon to be cut during an inauguration reflects a serious lack of understanding and respect for its sanctity." He added, "This is not a minor oversight but a grave lapse. The officers who allowed or designed such an act must be identified and suspended.

Delhi court summons Robert Vadra in money laundering case

New Delhi, Agency: A Delhi court on Wednesday took cognisance of a chargesheet filed by the Enforcement Directorate against businessman Robert Vadra in a money laundering case linked to a land transaction in Haryana's Shikohpur area.

Special Judge Sushant Changotra directed Vadra and the other accused to appear before the court on May 16.

The probe agency had filed a prosecution complaint in July last year, marking the first instance of any investigative agency initiating criminal proceedings against Vadra, who is married to Congress MP Priyanka Gandhi Vadra. In April 2025, the agency had questioned him for three consecutive days as part of the investigation.

The case arises from a land transaction in the Manesar-Shikohpur belt, now Sector 83 in Gurugram. In February 2008, Skylight Hospitality Pvt Ltd, a company in which Vadra had earlier served as a director, purchased a 3.5-acre land parcel from Onkareshwar Properties for Rs 7.5 crore. At the time, Haryana was governed by a Congress administration led by Bhupinder Singh Hooda. Four years later, in September 2012, the land was sold to real estate firm DLF for Rs 58 crore. The deal came under scrutiny in October 2012 when IAS officer Ashok Khemka, then Director General of Land Consolidation and Land Records-cum-Inspector General of Registration, cancelled the mutation, stating that the transaction violated provisions of the state consolidation law and related procedures.

District with most SIR deletions to see max CAPF deployment

Kolkata , Agency: Murshidabad, the district which recorded the highest number of deletions from the voters' list in Bengal during the special intensive revision (SIR) of the electoral roll, will also have the largest contingent of central forces deployed ahead of the first phase of the assembly elections on April 23. Close to 7.4 lakh names were deleted from the roll in the Muslim-majority Murshidabad district. Around 316 companies of Central Armed Police Forces (CAPF) will be deployed there, Election Commission sources said.

In all, 2,407 companies of CAPF, which means at least 1.73 lakh personnel, will be taking positions in 152 constituencies, spread across 16 districts, that vote on April 23. The deployment for Bengal will be the highest ever in the state. During the 2024 Lok Sabha polls, held in seven phases in Bengal, 900 companies of CAPF had arrived in the state. In the 2021 state polls, split into eight phases, EC had sent around 725 companies. According to the deployment plan, the Murshidabad and Jangipur police districts of Murshidabad will get 240 and 76 companies of central forces, respectively.

East Midnapore will see the second-highest CAPF deployment (273 companies) among the districts going to the polls in the first phase, followed by West Midnapore (271 companies).

'Respect for women is respect for nation':

PM Modi on women's reservation bill ahead of special Parliament session

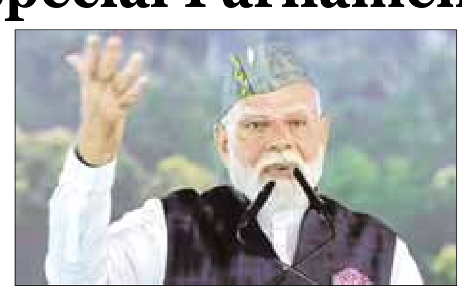

New Delhi, Agency: Prime Minister Narendra Modi on Thursday wrote about women's empowerment on social media ahead of the special session of Parliament.

In a post on X, the Prime Minister said the country is set to take a "historic step" in empowering women as lawmakers prepare to discuss an important bill regarding the women's reservation framework. "Starting today, in the special session of Parliament, our country is about to take a historic step towards women's empowerment. The respect for our mothers and sisters is the respect for the nation," he wrote.

The post also included a Sanskrit verse which highlights the role of women in dispelling ignorance and illuminating society with knowledge.

Women's reservation bill in focus: The special session, scheduled from April 16 to 18, is expected to take up an amendment to implement the women's reservation law, aiming to ensure one-third representation for women in the Lok Sabha and state assemblies from the 2029 general elections. The Centre is seeking broad political support for the move. Earlier, PM Modi had urged opposition parties to back the amendment, saying it reflects the aspirations of "every sister and daughter of this country".

Alongside the reservation bill, the government is also set to introduce key legislations, including the Constitution (One Hundred and Thirty-First Amendment) Bill, 2026, and the Delimitation Bill, 2026.

While opposition parties have expressed support for early implementation of women's reservation, they have raised concerns over the proposed delimitation exercise tied to the reforms.

Delimitation bill in Parliament:

What's different this time and why it's kicking up a row

New Delhi, Agency: Govt will move a Constitutional (Amendment) Bill and Delimitation Bill in Parliament Thursday. The delimitation exercise is being closely watched as govt is keen to reserve 33% seats for women in Lok Sabha and state assemblies from 2029 general elections, without changing the proportion of seats that a state has. For this the overall size of the lower House of Parliament is sought to be enhanced by 50%. Media looks at how delimitation works.

What is delimitation? It's an exercise to redraw constituencies for LS and assemblies, which is done on the basis of population. Based on the population in the last census, each state is assigned seats in House of People and the state assembly. So, constituencies can be different in geographical size, but roughly equal in the density of population. Article 82 of the Constitution mandates that this exercise be undertaken after each census. While three delimitation exercises were undertaken in every decade starting 1952, in 1976 the 42nd constitutional amendment suspended the revision until after the 2001 census and froze the number of seats in LS at 543. In 2001, the 84th constitutional amendment extended the freeze on the number of seats until 2026.

In 2008, a delimitation exercise was undertaken, but it, in deference to southern states' sensitivities, relied on the 1971 census and demarcated fresh boundaries of LS constituencies without changing the respective shares of states in LS.

How is delimitation done? The Constitution empowers Parliament to decide on delimitation and govt is moving a bill to set up a Delimitation Commission. The commission is proposed to be headed by a former Supreme Court judge with the chief election commissioner, or his nominee as a member.

How will next delimitation exercise be different? The exercise for LS is likely to be delinked from 2011 census, with govt, in view of the resistance from southern states, keen that the proportion of seats for each state remain unchanged in LS, while ensuring that 33% reservation is provided to women. This means that each state will see the number of seats increase by 50% - UP, for instance, will have 120 seats in the expanded LS, instead of 80 - which will also equal the 33% of the seats reserved for women (40 seats). So, the exercise will be similar to the last one in the sense that boundaries of constituencies will be redrawn, but with a higher number of seats.

The bill circulated to lawmakers is seen to have made some other changes. "Currently, Article 82 requires that delimitation of constituencies and readjustment of seats among states be undertaken after completion of every census, using population data of that census.